Uturn Time 01 June 2026_Layout 2 01-06-2026 00:06 Page 1

RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

थेरेपी आई नई, रखती सदा जवान।
खर्च सकेंगे झेल पर, इसका कुछ धनवान।
इसका कुछ धनवान, वही अब जवां रहेंगे।
बाकी सभी गरीब, बुढ़ा कर यहीं मरेंगे।
कह साहिल कविराय, कह रहा सबसे जेपी।
भैया सदा जवान, रखेगी यह थेरेपी।

– डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 11 | ISSUE 141 | MONDAY 01-06-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

न्याय में देरी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त: अब रिजर्व फैसलों की होगी समयसीमा, आम लोगों को मिलेगी बड़ी राहत

नई दिल्ली/यूटर्न/31 मई। देश की न्याय व्यवस्था में लंबे समय से उठ रहे एक बड़े सवाल—'फैसला कब आएगा?'—पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। सर्वोच्च अदालत ने सभी हाईकोर्टों के लिए महत्वपूर्ण दिशानिर्देश जारी करते हुए कहा है कि किसी मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद रिजर्व रखा गया फैसला सामान्यत: तीन महीने के भीतर सुनाया जाना चाहिए। वहीं जमानत से जुड़े मामलों में आदेश उसी दिन या अधिकतम अगले दिन जारी किए जाएं।

सुप्रीम कोर्ट ने माना कि फैसलों में अनावश्यक देरी से न केवल मुकदमेबाजों को मानसिक, आर्थिक और सामाजिक नुकसान होता है, बल्कि न्यायपालिका पर जनता का भरोसा भी प्रभावित होता है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि 'न्याय में देरी, न्याय से वंचित करने के समान है।'

नई व्यवस्था के तहत

- रिजर्व फैसला सामान्यत: 3 महीने के भीतर सुनाया जाएगा।
- जमानत मामलों में आदेश उसी दिन या अगले दिन जारी करने का प्रयास होगा।
- जमानत मिलने पर आदेश तत्काल जेल अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा ताकि रिहाई में अनावश्यक देरी न हो।
- हाईकोर्ट की वेबसाइट पर फैसले रिजर्व होने और अपलोड होने की जानकारी भी दर्ज की जाएगी।

आम लोगों के लिए क्यों महत्वपूर्ण है फैसला?

देशभर में हजारों ऐसे मामले हैं जिनमें सुनवाई पूरी होने के बाद फैसले महीनों या वर्षों तक रिजर्व रहते हैं। इसका सबसे ज्यादा असर उन लोगों पर पड़ता है जो जमानत, संपत्ति विवाद, नौकरी, पारिवारिक मामलों या आपराधिक मामलों में राहत की प्रतीक्षा कर रहे होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने विशेष रूप से व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़े मामलों में तेजी लाने पर जोर दिया है।

जवाबदेही बढ़ाने की कोशिश

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी व्यवस्था दी है कि यदि तीन महीने के बाद भी फैसला नहीं आता तो संबंधित पक्ष शीघ्र निर्णय की मांग कर सकता है। कुछ परिस्थितियों में मामला दूसरे बेंच को सौंपने की मांग का रास्ता भी खुला रहेगा। इससे न्यायिक जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ने की उम्मीद है।

वर्षों से उठ रहे थे सवाल

सुप्रीम कोर्ट पहले भी कई बार लंबित रिजर्व फैसलों पर चिंता जता चुका है। अदालत ने कुछ मामलों में 'रिजर्व कर भूल जाने' जैसी प्रवृत्ति पर नाराजगी जताते हुए हाईकोर्टों से लंबित फैसलों का ब्यौरा भी मांगा था।

जनहित में बड़ा संदेश

कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला केवल अदालतों के लिए निर्देश नहीं, बल्कि करोड़ों नागरिकों के 'त्वरित न्याय के अधिकार' को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम है। यदि इन दिशानिदेर्शों का प्रभावी पालन होता है तो मुकदमों में वर्षों तक फैसले का इंतजार करने वाले लोगों को राहत मिल सकती है और न्याय व्यवस्था में जनता का विश्वास और मजबूत होगा।

पंजाब BJP के नए अध्यक्ष केवल ढिल्लों कुछ खास नहीं कर पाएंगे: कैप्टन अमरिंदर

चंडीगढ़/यूटर्न/31 मई। पंजाब BJP के नए अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों अभी अपनी नई भूमिका में ठीक से जम भी नहीं पाए थे कि पार्टी को एक अप्रत्याशित चुनौती का सामना करना पड़ा –उसके सबसे कद्दावर नेताओं में से एक, पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की तरफ से एक सार्वजनिक और बेबाक टिप्पणी।

सुनील जाखड़ को हटाने के BJP आलाकमान के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए अमरिंदर सिंह ने एक मीडिया हाउस से कहा, केवल ढिल्लों मेरे अच्छे दोस्त हैं, लेकिन BJP अध्यक्ष के तौर पर वह सही चुनाव नहीं हैं।

इस टिप्पणी ने पंजाब BJP के भीतर राजनीतिक हलचल मचा दी है, ठीक ऐसे समय में जब पार्टी एकता दिखाने और 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारी करने की कोशिश कर रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी संकेत दिया कि सुनील जाखड़ को प्रदेश अध्यक्ष और अश्विनी शर्मा को कार्यकारी अध्यक्ष

बनाए रखने वाले मौजूदा तालमेल को जारी रहने देना चाहिए था। अमरिंदर सिंह ने कहा, वे सुनील और अश्विनी शर्मा को ही जारी रख सकते थे।

कांग्रेस में बिताए अपने दिनों से तुलना करते हुए अमरिंदर ने कहा कि वहां प्रदेश के नेताओं को पारंपरिक रूप से ज्यादा स्वायत्तता (आजादी) मिलती थी। उन्होंने टिप्पणी की, ₹कांग्रेस में मुझसे हमेशा सलाह ली जाती थी। यहां, पिछले छह सालों में मैंने जो देखा है, उसके मुताबिक वे जो करना चाहते हैं, उसका फैसला खुद करते हैं और बस उसे कर डालते हैं।₹ उन्होंने यह भी संकेत दिया कि इखढ के काम करने का तरीका बहुत ज्यादा केंद्रीकृत है।

उन्होंने पंजाब इखढ के निवर्तमान अध्यक्ष सुनील जाखड़ और कार्यकारी अध्यक्ष अश्विनी शर्मा को हटाने के पीछे के तर्क पर भी सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, किसी जाट सिख को ही अध्यक्ष बनाने का यह क्या सिलसिला है? उन्होंने उन सुझावों पर प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही जिनमें कहा गया था कि ढिल्लों की नियुक्ति का मकसद 'सोशल इंजीनियरिंग' (सामाजिक समीकरण साधना) है। उन्होंने कहा, ₹उस व्यक्ति को पार्टी अध्यक्ष बनाओ, जिसके बारे में आपको लगता है कि वह कुछ कर दिखाएगा।

इसके साथ ही, कैप्टन अमरिंदर ने पंजाब में दलित राजनीति के बढ़ते महत्व को स्वीकार किया और कहा कि दलित समुदाय राज्य के चुनावी परिदृश्य में एक बड़ी भूमिका निभाते रहेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने एक बार फिर BJP और SAD (शिरोमणि अकाली दल) के बीच गठबंधन को फिर से शुरू करने की पुरजोर वकालत की।

उन्होंने तर्क दिया कि दशकों से BJP ग्रामीण इलाकों तक पहुंच बनाने और सांगठनिक समर्थन के लिए अकाली दल पर निर्भर रही है, और पंजाब में अपना स्वतंत्र राजनीतिक ढांचा खड़ा करने में नाकाम रही है। उनकी ये टिप्पणियां पंजाब में स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों की पृष्ठभूमि में आई हैं, जहां BJP ने कई शहरी इलाकों में भी खराब प्रदर्शन किया, जिन्हें पारंपरिक रूप से उसका गढ़ माना जाता रहा है। अगर आपके नगर निगम खराब प्रदर्शन कर रहे हैं, नगरपालिकाएँ खराब प्रदर्शन कर रही हैं, तो यही तो BJP का आधार है। और अगर यही खराब प्रदर्शन कर रहा है, तो आप जीत कहाँ रहे हैं? उन्होंने पूछा।

Uturn Time 01 June 2026_Layout 2 01-06-2026 00:06 Page 2

जब क्रिकेट संस्थाएँ आलोचकों को सजा देती हैं, तो पारदर्शिता को नुकसान पहुँचता है

पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (PCA) के आजीवन सदस्य राकेश हांडा की सदस्यता रद्द किए जाने से ऐसे सवाल खड़े हो गए हैं जो सिर्फ.एक व्यक्ति के भविष्य से कहीं ज्यादा गहरे हैं। इसके मूल में एक बड़ा मुद्दा है जिसका सामना भारत में कई खेल संस्थाओं को करना पड़ रहा है: संस्थाओं को आंतरिक आलोचना, असहमति और जवाबदेही की माँगों से कैसे निपटना चाहिए? हांडा ने आरोप लगाया है कि उनका निलंबन और बाद में सदस्यता रद्द किया जाना, ढउअ के कामकाज और उससे जुड़े मुद्दों पर सवाल उठाने की उनकी कोशिशों से जुड़ा था। उन्होंने इस कार्रवाई के समय पर भी सवाल उठाया है -- यह कहते हुए कि उनकी शिकायतों के तुरंत बाद ही PCA ने उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। ये आरोप सही हैं या नहीं, यह सिर्फ.एक निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया ही तय कर सकती है। न कि सीधे-सीधे सदस्यता रद्द करना, जैसा कि हांडा का दावा है, एक ऐसे पत्र के जरिए जिस पर एक अस्थायी उएड के हस्ताक्षर थे।

संदीप शर्मा, सम्पादक

हालाँकि, जो बात परेशान करने वाली है, वह है बनी हुई धारणा। संस्थाओं को वैधता सिर्फ.उनकी शक्तियों से नहीं मिलती, बल्कि इस बात से मिलती है कि वे उन शक्तियों का इस्तेमाल किस तरह करती हैं। जब कोई सदस्य, जिसने किसी संस्था की सार्वजनिक रूप से आलोचना की हो, निलंबित कर दिया जाता है और बाद में उसकी सदस्यता रद्द कर दी जाती है, तो स्वाभाविक रूप से सवाल उठते हैं। क्या ये कार्रवाइयाँ पूरी तरह से नियमों पर आधारित थीं? क्या प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन किया गया था? क्या सदस्य को अपना पक्ष रखने का पर्याप्त अवसर दिया गया था? क्या यह फैसला किसी सक्षम अधिकारी द्वारा लिया गया था? उतनी ही महत्वपूर्ण पारदर्शिता का मुद्दा भी है। हांडा ने सदस्यता रद्द करने की प्रक्रिया की वैधता पर सवाल उठाया है, जिसमें यह भी शामिल है कि यह आदेश किस अधिकार के तहत जारी किया गया था। भले ही ढउअ का मानना हो कि उसकी कार्रवाइयाँ पूरी तरह से सही थीं, लेकिन जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए यह जरूरी है कि ऐसे फैसलों को स्पष्ट रूप से समझाया जाए और दस्तावेजों में दर्ज प्रक्रियाओं का समर्थन प्राप्त हो। खेल संस्थाओं का सार्वजनिक जीवन में एक विशेष स्थान होता है। वे सिर्फ.निजी क्लब नहीं होते। वे सार्वजनिक हितों, सार्वजनिक जुनून और कई मामलों में, सार्वजनिक संसाधनों का प्रबंधन करते हैं। क्रिकेट संस्थाएँ करियर को प्रभावित करती हैं, प्रमुख खेल बुनियादी ढाँचे का प्रबंधन करती हैं और खेल के विकास को दिशा देती हैं। परिणामस्वरूप, उन्हें शासन के ऐसे मानकों का पालन करना चाहिए जो हर तरह से बेदाग हों। यहाँ एक व्यापक सबक भी है। स्वस्थ संस्थाओं को आलोचना से डरना नहीं चाहिए। वास्तव में, आलोचना अक्सर आत्म-संतुष्टि और कुप्रबंधन के खिलाफ एक शुरूआती चेतावनी प्रणाली का काम करती है। आलोचकों को चुप कराने से शायद तात्कालिक परेशानी दूर हो जाए, लेकिन इससे शायद ही कभी मूल समस्याएँ हल होती हैं। इसलिए, PCA विवाद एक अवसर प्रस्तुत करता है। किसी संस्था और किसी व्यक्ति के बीच की लड़ाई बनने के बजाय, यह सुधार के लिए एक उत्प्रेरक बन सकता है। असली मुद्दा यह नहीं है कि राकेश हांडा अपनी लड़ाई जीतते हैं या हारते हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या क्रिकेट प्रशासन हांडा द्वारा अपेक्षित जांच और जवाबदेही को स्वीकार करने के लिए तैयार है। मजबूत संस्थाएं वे नहीं होतीं जो असहज आवाजों को दबा देती हैं। वे वे होती हैं जो सवालों का सामना कर सकती हैं और उनसे और भी मजबूत होकर उभरती हैं।

निकाय चुनावों के बाद पंजाब में भाजपा की नई रणनीति, विधानसभा चुनाव पर फोकस : नायब सिंह सैनी

EXCLUSIVE

लुधियाना/यूटर्न/31 मई। पंजाब में नगर निकाय चुनावो में अपने दम पर लड़कर एक सौ बहतर सीटें हासिल करने को भाजपा अपनी बड़ी उपलब्धि मान रही है और पार्टी ने इन चुनावों के नतीजे सामने आने के बाद राज्य में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति तैयार करने पर काम शुरू कर दिया है।पंजाब में अब आने वाले समय में भाजपा की ग्रामीण इलाकों में अपनी पार्टी की मजबूती व सिख वोटरों को आकर्षित करने लिए नए सिख चेहरे को प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत करना भी इसी रणनीति का हिस्सा है। भाजपा नेतृत्व की इस बारे में क्या राय है जानने के लिए यू-टर्न टाइम्स की तरफ से विशेष संपादक रविन्द्र अरोड़ा ने पंजाब के राजनीति मामलों को करीब से देख रहे हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सिंह सैनी से उनके चंडीगढ़ स्थित निवास पर इस बारे में विशेष बातचीत की, पेश है उसके उनसे बातचीत का पूरा विवरण।

भाजपा का हाल ही में हुए निकाय चुनाव में प्रदर्शन को आप कैसे देखते है

जवाब में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाव में निकाय चुनावो के नतीजों ने भाजपा कार्यकताओं में नया जोश भर दिया है उनोहने इसे बड़ी जीत बताते हुए सभी कार्यकताओं व वोटरों का धन्यवाद करते हुए कहा और इस जीत के लिए पार्टी के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता बधाई की पात्र हैं और वे आशा करते है कि भाजपा कार्यकताओं में ये जोश विधानसभा चुनाव में और भी अधिक निखर कर बाहर आएगा।

क्या चुनाव निष्पक्ष तरीके से हुए ?

जवाब में मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि राज्य की भगवंत मान सरकार ने निकाय चुनाव के दौरान जमकर सरकारी मशीनरी का दुरूपयोग व धक्केशाही की कई जगह पर भाजपा व दूसरी पार्टी के कार्यकताओं को या तो नॉमिनेशन पेपर भरने नहीं दिए गए व या फिर रद्द करवा दिए गए गया इतना ही नहीं वोट वाले दिन तक भाजपा कार्यकताओं धमकाने के भी भरसक प्रयास किए । कई जगहों पर चुनाव के दौरान उनके साथ पुलिस की मदद से जमकर धक्केशाही व गुंडागर्दी की। सैनी ने पंजाब की भगवंत मान सरकार की तुलना मुगलों से करते हुए कहा की आम आदमी पार्टी की सरकार पंजाब की अब तक की सबसे अधिक धक्केशाही करने वाली सरकार है लेकिन बावजूद के बावजूद इसके भाजपा कार्यकर्ता डटकर सरकारी धक्केशाही का मुकाबला करते रहे और जिसके नतीजे आपके सामने है ।

क्या चुनाव परिणाम से आप संतुष्ट हैं ?

नायब सिंह सैनी ने पंजाब कि नतीजे एक आए हैं भाजपा ने बेहतर परफॉर्म किया है यदि राज्य सरकार बिना सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग व धक्केशाही के चुनाव करवाती तो नतीजे और भी बेहतर हो सकते थे।

पंजाब में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने वाले है क्या रणनीति रहेगी पार्टी की ?

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि पंजाब के लोग अब राज्य की सत्ताधारी पार्टी की धक्केशाही से भली भांति वाकि फ हो चुके है और वे इसका जवाब वोटों के जरिए आने वाले विधानसभा चुनावों में जरूर देंगे। श्री सैनी ने कहा कि निकाय चुनाव में हुई धक्केशाही के मद्देनजर अब भाजपा ने पंजाब में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अभी से रणनीति बनानी शुरू तैयार करनी शुरू दी है जिसके अंतर्गत अब पार्टी के बड़े नेता आने वाले दिनों में पंजाब आएंगे और कार्यकताओं व राज्य के लोगों से मुलाकात करके फीडबैक लेंगे व उसके अनुरूप ही चुनावी रूपरेखा तैयार करेंगे । उनोहने कहा कि इन चुनावों के बाद पंजाब के भाजपा कार्यकर्ता डरे नहीं हैं बल्कि वे और मजबूत हुए है जिसका जवाब विधानसभा चुनाव में आप सरकार को सता से बाहर करके देंगे ।

पंजाब में भाजपा को नया अध्यक्ष भी मिल गया है क्या लगता है कि वे पार्टी को आगे बढ़ा पाएंगे ?

केवल सिंह ढिल्लों को पहले तो मुबारकबाद । दूसरा वे एक ऐसे नेता हैं जो पंजाब के जाट सिख भाईचारे से संबंध रखते हैं उनकी राज्य के ग्रामीण इलाकों में अच्छी पकड़ व पहचान है वे पार्टी को शहरों के बाद अब ग्रामीण इलाकों में मजबूत करके आगामी विधानसभा चुनाव अच्छा प्रदर्शन करेंगे ।

खुले में पड़ा बायोमेडिकल कचरा बना खतरा, स्वास्थ्य सुरक्षा पर उठे गंभीर सवाल

मॉडल टाउन में मेडिकल वेस्ट मिलने से लोगों में चिंता, जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग

लुधियाना/यूटर्न/31 मई। शहर के पॉश इलाके मॉडल टाउन में खुले में बायोमेडिकल कचरा मिलने का मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य सुरक्षा और मेडिकल वेस्ट प्रबंधन व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद शर्मा ने इस संबंध में सिविल सर्जन को शिकायत भेजकर मामले की जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार महाराज बैंक के निकट बड़ी मात्रा में इस्तेमाल की गई सिरिंज, इंजेक्शन की सुइयां, मेडिकल दस्ताने, दवाइयों के पैकेट और अन्य चिकित्सा अपशिष्ट खुले में पड़ा मिला। यह कचरा न केवल बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन नियमों का उल्लंघन है, बल्कि आम लोगों, सफाई कर्मचारियों और बच्चों के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार खुले में पड़े संक्रमित मेडिकल कचरे से संक्रमण फैलने, चोट लगने और संक्रामक बीमारियों के प्रसार का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे कचरे का वैज्ञानिक तरीके से संग्रहण, परिवहन और निपटान करना अनिवार्य है।

सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद शर्मा ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर इस प्रकार का मेडिकल कचरा मिलना बेहद चिंताजनक है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि कचरे को तुरंत हटाया जाए, संबंधित अस्पताल, क्लीनिक या संस्था की पहचान की जाए तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। स्थानीय निवासियों ने भी मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए कहा कि यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो यह जनस्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बन सकता है।

Uturn Time 01 June 2026_Layout 2 01-06-2026 00:06 Page 3

पेज 06 जीवन में सुख, शांति और लाभ चाहते हो तो राम...

मंत्री और एमपी के अपने शहर में केंद्रीय एजेंसी का नाम लेकर कारोबारियों से वसूली का खुला खेल : कारोबारी जगत में डर का माहौल

उद्योग नगरी में 40 लाख की कथित उगाही का मामला, सत्ता और विपक्ष दोनों पर उठे सवाल

सीएम मान ,मंत्री बिट्टू , एमपी वड़िंग , पूर्व मंत्री आशु सहित स्वयं जाँच एजंसियों पर टिकी निगाहें

लुधियाना/यूटर्न/31 मई। केंद्रीय रेल मंत्री बिट्टू के अपने शहर में बाजवा नगर में एक होजरी कारोबारी से कथित रूप से केंद्रीय जांच एजेंसी की कार्रवाई का भय दिखाकर लाखों रुपये की वसूली किए जाने के मामले ने अब सार्वजनिक हित का रूप ले लिया है। मामले में लगातार नए तथ्य सामने आने के बाद व्यापारिक संगठनों ने इसकी निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग उठाई है।

मामले से जुड़े सूत्रों के अनुसार, कुछ लोगों द्वारा स्वयं को प्रभावशाली अधिकारियों से जुड़ा बताकर कारोबारियों को कार्रवाई, छापेमारी और जांच का डर दिखाया जाता था। चर्चा है कि ऐसे लोगों ने शहर के कई व्यापारियों की पहचान कर उनकी एक सूची भी तैयार की हुई थी। बताया जा रहा है कि करीब नौ कारोबारियों को संभावित रूप से निशाना बनाने की योजना थी, लेकिन एक मामले में समय रहते सच्चाई सामने आने से कथित नेटवर्क का खुलासा हो गया।

कारोबारी संगठनों ने जताई चिंता

बाजवा नगर होजरी एसोसिएशन के प्रधान दर्शन डावर ने कहा कि उनके लंबे सार्वजनिक जीवन में इस प्रकार का मामला पहली बार सामने आया है। उन्होंने कहा कि एजेंसियों के नाम पर कारोबारियों को डराना न केवल गंभीर अपराध है बल्कि इससे व्यापारिक माहौल भी प्रभावित होता है। एसोसिएशन स्तर पर भी तथ्यों की पड़ताल की जा रही है और पीड़ितों को सामने आने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

जन हितैषी समूह द्वारा सार्वजनिक हित में सुझाव

- किसी भी एजेंसी के नाम पर धन की मांग होने पर तुरंत लिखित शिकायत करें।
- आधिकारिक पहचान पत्र और दस्तावेजों का सत्यापन करें।
- बिना वैधानिक नोटिस या आदेश के किसी को धनराशि न दें।
- पुलिस, साइबर सेल या संबंधित विभाग को तत्काल सूचना दें।
- व्यापारिक संगठनों के माध्यम से सामूहिक शिकायत दर्ज कराएं।

जांच एजेंसियों की साख पर भी सवाल

व्यापारिक वर्ग का कहना है कि कुछ लोगों की कथित हरकतों के कारण वास्तविक जांच एजेंसियों की छवि भी प्रभावित होती है। कई कारोबारी अब किसी भी जांच संबंधी कॉल या नोटिस को लेकर असमंजस में रहते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी घटनाओं में एजेंसियों को समय-समय पर सार्वजनिक जागरूकता अभियान चलाकर यह स्पष्ट करना चाहिए कि आधिकारिक कार्रवाई की वैधानिक प्रक्रिया क्या होती है।

राजनेताओं की चुप्पी के पीछे क्या राज ?

सार्वजनिक हित में अब सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि यदि कथित रूप से कई कारोबारियों की सूची तैयार की गई थी इतने बड़े खुलासे के बावजूद जन हितैषी मान सरकार , केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू , लोक सभा एमपी राजा वड़िंग , पूर्व मंत्री आशु , कभी कारोबारीयो के हित में इनकम टैक्स विभाग से भिड़ने वाले कारोबारी नेता जगमोहन शर्मा एवं तरुण जैन बावा जैसे दिग्गज सहित स्वयं केंद्रीय जाँच एजंसियां चुप्पी क्यों साधे बैठी है या आरोपी स्पेशल २६ टीम में किसी अपने के होने के संकेत मिले है।

क्या होगी सार्वजनिक होगी स्वतंत्र जांच ?

क्या इसकी स्वतंत्र जांच होगी और क्या राजनीतिक नेतृत्व इस मुद्दे पर खुलकर अपनी स्थिति स्पष्ट करेगा ? या मामले को अनदेखा कर रफादफा कर दिया जाएगा।

कानूनी विशेषज्ञों की राय

कानूनी जानकारों के अनुसार यदि किसी व्यक्ति ने सरकारी अधिकारी, केंद्रीय एजेंसी या जांच संस्था का नाम लेकर धन की मांग की है अथवा भय पैदा कर आर्थिक लाभ प्राप्त किया है, तो मामला भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत धोखाधड़ी, जबरन वसूली, आपराधिक विश्वासघात, प्रतिरूपण (Impersonation) और आपराधिक साजिश जैसी धाराओं के दायरे में आ सकता है। यदि किसी सरकारी कर्मचारी की संलिप्तता साबित होती है तो विभागीय कार्रवाई के साथ-साथ भ्रष्टाचार निरोधक कानूनों के तहत भी जांच संभव है।

धूरी विवाद पर झुके मंत्री रवनीत बिट्टू, कहा- आहत भावनाओं के लिए क्षमा चाहता हूं

मामला : एससी समुदाय पर टिप्पणी का

अमृतसर/चंडीगढ़, 31 मई। निकाय चुनाव के दौरान धूरी में अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय को लेकर की गई टिप्पणी के विवाद के बीच केंद्रीय राज्यमंत्री Ravneet Singh Bittu ने सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली है। उन्होंने कहा कि एक मंत्री होने के नाते उनके मुंह से ऐसे शब्द नहीं निकलने चाहिए थे और यदि उनकी बातों से किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो वह हाथ जोड़कर क्षमा मांगते हैं। अमृतसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बिट्टू ने कहा कि वह एससी समुदाय, सामाजिक संगठनों और सभी संबंधित लोगों से सिर झुकाकर माफी मांगते हैं। उन्होंने कहा कि वह संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान करते हैं और यदि पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग उन्हें बुलाता है तो वह व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपना पक्ष रखेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर लिखित रूप में भी माफी देंगे। बिट्टू ने कहा कि धूरी में उस समय माहौल तनावपूर्ण था और बहस के दौरान आवेश में आकर उनके मुंह से कुछ शब्द निकल गए, जिनके लिए वह खेद प्रकट करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके मन में किसी भी समुदाय के प्रति कोई भेदभाव नहीं है और वह हमेशा एससी समुदाय सहित सभी वर्गों के साथ मिलकर काम करते रहे हैं।

उधर, Punjab State Scheduled Castes Commission ने मामले का संज्ञान लेते हुए संगरूर के एसएसपी से 1 जून तक जांच रिपोर्ट तलब की है। आयोग ने चेतावनी दी है कि समय पर रिपोर्ट न मिलने पर संबंधित प्रावधानों के तहत कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

Uturn Time 01 June 2026_Layout 2 01-06-2026 00:06 Page 4

यूटर्न टाइम्स की खबर के बाद माउंट कार्मल स्कूल का पक्ष आया सामने

स्कूल का दावा- 2017 में फीस में केवल 8 से 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी, 200 प्रतिशत वृद्धि का आरोप भ्रामक

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/31 मई। सेक्टर-47 स्थित माउंट कार्मल स्कूल ने वर्ष 2017-18 की फीस वृद्धि को लेकर हाल ही में आए जिला अदालत के फैसले के बाद अपना पक्ष सार्वजनिक किया है। स्कूल प्रबंधन का कहना है कि मामले से जुड़ी कुछ खबरों में तथ्यों को पूरी तरह से प्रस्तुत नहीं किया गया और केवल अदालत के फैसले के आधार पर निष्कर्ष निकाल लिए गए।

यूटर्न टाइम NEWS IMPACT

स्कूल प्रबंधन के अनुसार वर्ष 2017-18 के लिए फीस में 8 से 11 प्रतिशत तक बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा गया था। प्रबंधन का दावा है कि कुछ अभिभावकों ने अदालत में यह आरोप लगाया था कि स्कूल ने फीस में लगभग 200 प्रतिशत तक वृद्धि की है, जबकि वास्तविक स्थिति इससे अलग थी। स्कूल के मुताबिक, विवाद की मुख्य वजह फीस संरचना में किया गया बदलाव था। वर्ष 2016-17 की केवल ट्यूशन फीस की तुलना वर्ष 2017-18 की कुल मासिक फीस से की गई, जिसमें ट्यूशन फीस के अलावा वार्षिक शुल्क, विकास शुल्क, आईटी शुल्क, परीक्षा शुल्क और अन्य शुल्कों को भी शामिल कर दिया गया था। प्रबंधन का कहना है कि विभिन्न मदों में लिए जाने वाले शुल्कों को एकीकृत

व्यापार/अन्य यूटर्न टाइम

माउंट कार्मल स्कूल की फीस बढ़ोतरी पर कोर्ट की सख्ती, 349 अभिभावकों के पक्ष में फैसला

कर मासिक फीस के रूप में लेने का प्रस्ताव रखा गया था, ताकि फीस व्यवस्था को अधिक सरल बनाया जा सके। स्कूल का दावा है कि यह बदलाव कई अभिभावकों के सुझाव पर किया गया था और उस समय कई अन्य निजी स्कूल भी इसी प्रकार की व्यवस्था अपना चुके थे। प्रबंधन के अनुसार वर्ष 2017-18 में वास्तविक फीस वृद्धि केवल 8 प्रतिशत थी, जबकि कुछ कक्षाओं में यह इससे भी कम रही। स्कूल का कहना है कि अदालत के निर्णय से याचिकाकताओं को कोई अतिरिक्त आर्थिक लाभ नहीं मिलता, क्योंकि उसके अनुसार निर्धारित सीमा से अधिक फीस वसूले जाने का प्रश्न ही नहीं था। स्कूल ने यह भी स्पष्ट किया कि यह मामला लगभग नौ वर्ष पुराना है और जिन अभिभावकों ने उस समय याचिका दायर की थी, उनमें से अधिकांश के बच्चे अब स्कूल में अध्ययनरत नहीं हैं। प्रबंधन का कहना है कि अदालत का फैसला कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन इससे स्कूल की वर्तमान फीस संरचना या संचालन पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता। गौरतलब है कि जिला अदालत ने अपने हालिया फैसले में वर्ष 2017-18 की फीस वृद्धि को नियमों के अनुरूप नहीं मानते हुए 349 अभिभावकों के पक्ष में निर्णय सुनाया था। अदालत ने कहा था कि निर्धारित सीमा से अधिक फीस नहीं वसूली जा सकती और फीस विवाद के आधार पर किसी छात्र के प्रवेश या शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डाला जा सकता। फिलहाल मामले को लेकर अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन के अलग-अलग दावे सामने हैं। जहां अभिभावक अदालत के फैसले को अपनी जीत मान रहे हैं, वहीं स्कूल प्रबंधन का कहना है कि वास्तविक फीस वृद्धि को लेकर कई तथ्यों को सार्वजनिक चर्चा में सही संदर्भ के साथ प्रस्तुत नहीं किया गया।

1 वोट से हारी भाजपा उम्मीदवार ने मोहाली प्रशासन पर लगाए सरकार के अधीन काम करने और धक्केशाही के आरोप

चंडीगढ़/यूटर्न/31 मई। मोहाली के अधीन आते गाँव बल्लोमाजरा (वार्ड नम्बर 47) से नगर निगम चुनाव लड़ रही भाजपा उम्मीदवार सुखदीप कौर ने चुनाव परिणाम के दौरान मोहाली प्रशासन और पुलिस प्रशासन पर धक्केशाही और सरकार के अधीन काम करने के आरोप लगाए हैं। सुखदीप कौर ने मोहाली प्रशासन और पुलिस प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि गत दिवस 29 मई को आए चुनाव परिणाम के दौरान उन्हें आप उम्मीदवार परमिंदर कौर से 1 वोट से हारे घोषित किया गया। 1624 पोल हुई वोट में उन्हें 424 वोट मिले, जबकि परमिंदर कौर को 425 वोट हासिल हुई और उसे विजयी घोषित कर दिया गया। उन्होंने इस को लेकर आर ओ (एस डी एम) दमनदीप कौर व शमिंदर सिंह और अन्य से काउंटिंग को लेकर आपति जताई। लेकिन आर ओ दमनप्रीत कौर

ने उनकी एक न सुनी और पुलिस प्रशासन को बोलकर उन्हें धक्के मार कर हाल से बाहर करवा दिया। उन्होंने बड़ा शोर मचाया और प्रशासन और पुलिस बल द्वारा की गई धक्केशाही के खिलाफ खूब शोर मचाया। लेकिन कोई हल नही निकला। सुखदीप कौर ने बताया कि सरकार की धक्केशाही इतनी जबरदस्त रही कि उन्होंने विजेता उम्मीदवार को दिए विनिंग सर्टिफिकेट में उनके हस्ताक्षर करवाना ही मुनासिब नही समझा। उन्होंने कहा कि इन निगम चुनावों में सरकार की तरफ से पूरी तरह धक्केशाही और गुंडागर्दी की गई है। आप सरकार ने अपने उम्मीदवारों को जिताने में कोई कसर नही छोड़ी। सरकार ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस बल की पूरी मदद ली है। उन्होंने मांग की कि उनके वार्ड में पुन: से निष्पक्ष चुनाव करवाए जाएं। जिससे कि सही और उचित उम्मीदवार ही जीते।

सिद्ध बाबा अमरनाथ महावीर शिव मंदिर में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

चंडीगढ़/यूटर्न/31 मई। सिद्ध बाबा अमरनाथ महावीर शिव मंदिर में एक नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं सेवा शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 62 रोगियों ने भाग लिया और विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच के उपरांत रोगियों को

उनकी आवश्यकता के अनुसार संबंधित चिकित्सा उपकरण (इंस्ट्रूमेंट) एवं आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

पीर बाबा रोड पर दो गुटों में खूनी झड़प, युवक गंभीर रूप से घायल

जीरकपुर/यूटर्न/31 मई। बलटाना के पीर बाबा रोड पर बसंत फास्ट फूड के नजदीक दो गुटों में हुए झगड़े के दौरान एक युवक पर तेजधार हथियारों से जानलेवा हमला करने के मामले में जीरकपुर पुलिस ने आरोपी हर्ष कुमार निवासी सैणी विहार, बलटाना को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार यह घटना 29 और 30 मई की दरमियानी रात करीब 10 बजे की है। सूचना मिलने पर पुलिस चौकी जीरकपुर के इंचार्ज एसआई हरजिंदर सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जांच में सामने आया कि पुरानी रंजिश के चलते हर्ष कुमार और उसके साथियों ने दूसरे पक्ष के युवक आशू को घेरकर उस पर हमला किया। हमले में आशू के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आई।

घायल आशू को पहले सिविल अस्पताल ढकोली ले जाया गया, जहां से उसे सिविल अस्पताल फेज-6 मोहाली और बाद में जीएमसीएच सेक्टर-32 चंडीगढ़ रेफर किया गया। डॉक्टरों ने घायल को बयान देने के लिए अनफिट बताया। पुलिस के अनुसार घटना के समय घायल के पास कोई परिजन या प्रत्यक्ष गवाह मौजूद नहीं था। प्रारंभिक जांच और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने हर्ष कुमार और अन्य अज्ञात युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया। थाना जीरकपुर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धाराओं 109, 115(2), 126(2), 190 और 191(3) के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस फरार अज्ञात आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

जीरकपुर नगर परिषद चुनाव में भाजपा ने बढ़ाया जनाधार, 24 वार्डों में लड़कर जुटाईं 13 हजार से अधिक वोटें

जीरकपुर/यूटर्न/31 मई। जीरकपुर नगर परिषद चुनावों के परिणाम घोषित होने के बाद डेराबस्सी हलके के वरिष्ठ भाजपा नेता गुरदर्शन सिंह सैनी, उनके पुत्र हरदीप सिंह सैनी तथा जिला ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष हरप्रीत सिंह सैनी ने विरोधी दलों पर तीखे आरोप लगाए हैं। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी और शिरोमणि अकाली दल ने आपसी मिलीभगत कर चुनावी धांधली की ताकि भाजपा के बढ़ते जनाधार को रोका जा सके। इस अवसर पर गुरदर्शन सिंह सैनी ने चुनावी आंकड़े साझा करते हुए बताया कि भाजपा ने 24 सीटों पर चुनाव लड़कर 13 हजार से अधिक वोट हासिल किए हैं। वहीं अकाली दल ने 31 सीटों पर चुनाव लड़कर लगभग 16 हजार वोट प्राप्त किए, जबकि कांग्रेस करीब 10 हजार वोट ही हासिल कर सकी।

उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी और अकाली दल ने योजनाबद्ध तरीके से भाजपा के 7 उम्मीदवारों के नामांकन रद्द करवाए। यदि ये 7 नामांकन रद्द न होते तो उनमें से कम से कम 5 सीटों पर भाजपा की निश्चित जीत होती और पार्टी का वोट आंकड़ा 20 हजार से ऊपर पहुंच जाता। भाजपा के वरिष्ठ युवा नेता हरदीप सिंह सैनी ने कहा कि पार्टी ने 24 में से 4 सीटों पर शानदार जीत दर्ज की है, जबकि 10 सीटों पर भाजपा दूसरे स्थान पर रही। उन्होंने कहा कि यदि हमारे 7 कार्यकताओं के नामांकन रद्द न किए जाते तो आज नगर परिषद में भाजपा की 9 से 10 सीटें निश्चित होतीं। विरोधी दलों ने भाजपा के बढ़ते प्रभाव से घबराकर यह पूरी साजिश रची है। इसके बावजूद भाजपा का वोट प्रतिशत पहले की तुलना में काफी बढ़ा है, जिससे कार्यकताओं में भारी उत्साह है। जिला ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष हरप्रीत सिंह सैनी ने कहा कि इस चुनाव ने स्पष्ट कर दिया है कि विरोधी दल भाजपा से भयभीत हैं।

Uturn Time 01 June 2026_Layout 2 01-06-2026 00:06 Page 5

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

पेज 12 चंडीगढ़ के गांवों की समस्याओं को लेकर...

हलवारा एयरपोर्ट बना राजनीतिक अखाड़ा : ठेकेदार से लेकर मंत्री अरोड़ा निशाने पर

मामला : पहली बरसात में ही हवा में झूलते नाजे आए फॉल्स सीलिंग, छत के पैनल और सजावटी ढांचे

चंडीगढ़/यूटर्न/31 मई। अपने बहुचर्चित उद्घाटन के कुछ ही महीनों बाद, हलवारा इंटरनेशनल एयरपोर्ट एक राजनीतिक और प्रशासनिक विवाद के केंद्र में आ गया है। केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू और यात्रियों द्वारा सोशल मिडिया पर पोस्ट की वीडियो अनुसार मौसम की पहली भारी बारिश ने टर्मिनल बिल्डिंग में गंभीर कमियों को उजागर कर दिया है।

गौरतलब है की शनिवार को भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण कथित तौर पर टर्मिनल बिल्डिंग के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचा, जिसमें डिपार्चर एरिया और टिकटिंग काउंटरों के पास के हिस्से भी शामिल हैं। फॉल्स सीलिंग, छत के पैनल और सजावटी ढांचों के कुछ हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि बिल्डिंग के अलग-अलग हिस्सों से पानी के रिसाव की खबरें भी आई। नुकसान के वीडियो और तस्वीरें तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गई, जिससे व्यापक आलोचना हुई और निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे।

टर्मिनल बिल्डिंग, जिसे लगभग 54 करोड़ रुपये की कुल एयरपोर्ट परियोजना के हिस्से के रूप में लगभग 27 करोड़ रुपये की लागत से

अधूरा काम छोड़ ठेकेदार ने हांसिल किए थे १० करोड़

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, टर्मिनल बिल्डिंग परियोजना 2021 में 54 करोड़ रुपये के टेंडर दिए जाने के बाद शुरू हुई थी। बताया जाता है कि निर्माण के दौरान इस परियोजना में बार-बार देरी हुई। हलवारा एयरपोर्ट की क्वालिटी विवाद बढ़ने पर सूत्रों ने बताया कि एयरपोर्ट निर्माण के मूल ठेकेदार ने केवल 2 करोड़ के काम की एवज में 20 करोड़ की पेमैंट हांसिल कर बीच में ही काम छोड़ दिया था जिसके बाद बचा हुआ काम लोक निर्माण विभाग (PWD) द्वारा लागत और जोखिम (cost and risk) खंड के तहत पूरा किया गया।

इस घटना ने अब राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू कर दिया है

केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने सोशल मीडिया पर एयरपोर्ट के क्षतिग्रस्त हिस्सों के वीडियो साझा किए और इस स्थिति को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाया और परियोजना के क्रियान्वयन के दौरान हुई किसी भी लापरवाही के लिए जवाबदेही तय करने की मांग की।

जाने अनजाने टेंडरिंग प्रक्रिया पर खड़े हुए सवाल

मंत्री रवनीत बिट्टू द्वारा एयरपोर्ट की खस्ता हालत सम्बन्धी राजनीतिक बहस में मंत्री संजीव अरोड़ा का नाम भी घसीटा गया है और ठेकेदार को मंत्री का नजदीकी एवं चहेता बतया गया है जिससे ठेकदार समथर्को का कहना है की वर्तमान समय में केंद्र एवं राज्य सरकारों के बड़े काम एवं योजनाएं टेंडरिंग प्रक्रिया के माध्यम से अलाट किए जाते है ऐसे में एयरपोर्ट सम्बन्धी काम करने वाले ठेकदार एवं व्यक्ति विशेष किसी एक राजेनता एवं पार्टी के खास बता कर जाने अनजाने विपक्षी पूरी टेन्डिंग प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिए है। विपक्ष की बात माने तो टेन्डिंग प्रकिया में काम किसे अलाट होगा यह बिडिंग पर निर्धारित होता है।

क्या राजनीतिक ज़िम्मेदारी तय करने की कोशिश ?

अलॉट कार्य से लेकर विरोधी खेमे इस मामले की राजनीतिक ज़िम्मेदारी तय करने की कोशिश कर रहे हैं। हालाँकि, जानकारों का कहना है कि टर्मिनल बिल्डिंग प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन में अरोड़ा की कोई सीधी भूमिका नहीं थी। इस विवाद को अब केवल बुनियादी ढाँचे की गुणवत्ता को लेकर हुए झगड़े के बजाय, एक बड़े राजनीतिक टकराव के हिस्से के तौर पर देखा जा रहा है।

इस परियोजना के लिए कौन जिम्मेदार है: राज्य सरकार या केंद्र सरकार ?

हालांकि, इस विवाद ने खुद एयरपोर्ट परियोजना की जिम्मेदारी को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। जहां टर्मिनल बिल्डिंग का निर्माण पंजाब सरकार के लोक निर्माण विभाग के माध्यम से किया गया था, वहीं यह एयरपोर्ट भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (अअक) की एक परियोजना है और केंद्र सरकार के अधीन कार्य करता है। राजनीतिक एक्सपर्ट्स का कहना है कि राज्य सरकार ने बुनियादी ढांचे के कुछ हिस्सों को तैयार करने में मदद की, लेकिन एयरपोर्ट की योजना, संचालन और विमानन से संबंधित बुनियादी ढांचा केंद्रीय एजेंसियों के अधीन है।

बनाया गया था, का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1 फरवरी, 2026 को वर्चुअली किया था। इस एयरपोर्ट को पंजाब के लिए एक प्रमुख बुनियादी ढांचागत उपलब्धि और लुधियाना तथा आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों में हवाई कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने वाला एक महत्वपूर्ण कदम बताया गया था।

मौली जगरा में बदहाल सड़कें व बहता सीवरेज का पानी बना जी का जंजाल

चंडीगढ़/यूटर्न/31 मई। चंडीगढ़ नगर निगम के वार्ड नंबर 7 अधीन मौली जगरा में रेलवे स्टेशन की तरफ जाने वाली मुख्य सड़क इस समय अपनी बदहाली के आंसू रो रही है। प्रशासन और संबंधित विभागों की लापरवाही के कारण स्थानीय निवासियों और राहगीरों का जीना दूभर हो गया है। आज हुई बारिश ने व्यवस्था के दावों की पूरी तरह पोल खोल कर रख दी है।

प्रमुख समाजसेवी पास्टर रॉबर्ट विलियम ने वार्ड के अन्य गणमान्य व्यक्तियों और समाजसेवियों के साथ

मिलकर प्रशासन के इस उदासीन रवैये पर गहरी चिंता व्यक्त की है और तुरंत कार्रवाई की मांग की है। पास्टर रॉबर्ट विलियम ने बताया कि कुछ समय पहले इस सड़क पर पानी की पाइपलाइन डालने के लिए खुदाई की गई थी। नियम और जिम्मेदारी के अनुसार, पाइप डालने के बाद विभाग को सड़क को पूरी तरह से ठीक और समतल करना चाहिए था, लेकिन इसे अधूरा और बदहाल ही छोड़ दिया गया। आज हुई बारिश के बाद यह पूरी सड़क एक खतरनाक दलदल में तब्दील हो चुकी है। सड़क की स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि यहाँ से टू-व्हीलर (दोपहिया) और थ्री-व्हीलर (ऑटो) वाहनों का निकलना लगभग असंभव हो गया है।

आए दिन वाहन फिसल रहे हैं और राहगीर चोटिल होकर गिर रहे हैं। स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं के लिए इस मार्ग से गुजरना किसी बड़े खतरे से कम नहीं है। समस्या सिर्फ टूटी सड़क तक सीमित नहीं है।

रेलवे कॉलोनी की तरफ से आने वाला सीवरेज का गंदा और बदबूदार पानी लगातार सड़कों पर बह रहा है। इस केमिकल और गंदगी युक्त पानी के कारण बनी-बनाई सड़क पूरी तरह टूट चुकी है और पूरे इलाके का वातावरण बदबूदार और दूषित हो गया है। स्थानीय निवासियों में महामारी और गंभीर बीमारियां फैलने का डर बना हुआ है, लेकिन प्रशासन इस गंभीर समस्या से पूरी तरह आंखें मूंदे बैठा है।

Uturn Time 01 June 2026_Layout 2 01-06-2026 00:06 Page 6

जीवन में सुख, शांति और लाभ चाहते हो तो राम नाम सिमरन नित्य नियम से करो : संत अश्वनी बेदी

लुधियाना/यूटर्न/31 मई। श्री राम शरणम्, श्री राम पार्क में आयोजित साप्ताहिक सत्संग में संत अश्वनी बेदी जी ने श्रद्धालुओं को राम नाम सिमरन का महत्व बताते हुए कहा कि जो व्यक्ति नियमित रूप से श्रद्धा और विश्वास के साथ राम नाम का जाप करता है, उसके जीवन में सुख, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

उन्होंने पूज्य श्री स्वामी सत्यानंद जी महाराज की वाणी का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्तमान समय की भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवनशैली में राम नाम ही मन को स्थिरता और आत्मिक आनंद प्रदान करता है।

संत अश्वनी बेदी जी ने कहा कि जिस घर में नियमित रूप से राम नाम का संकीर्तन और सिमरन होता है, वहां प्रेम, सद्भाव और पारिवारिक एकता बनी रहती है। उन्होंने कहा कि राम नाम केवल एक मंत्र नहीं, बल्कि जीवन के संकटों, भय और निराशा से उबारने वाला दिव्य सहारा है। राम नाम का स्मरण व्यक्ति के भीतर आत्मविश्वास, साहस और सकारात्मक सोच को जागृत करता है।

उन्होंने श्रद्धालुओं से प्रतिदिन कुछ समय राम नाम सिमरन के लिए निकालने का आह्वान किया। सत्संग के दौरान भजन गायक कपिल शर्मा ने भक्तिमय भजनों से वातावरण को राममय बना दिया। इस अवसर पर मां रेखा बेदी, रमणीक बेदी, आशिमा बेदी, टीटू पायलट, वरिंदर जैन, सुदर्शन जैन, सुमन जैन, शिखा जैन, श्रुति थापर, बहार प्रकाश, शुचिता दुग्गल, मीरा धवन, संजीव धवन, राज गुप्ता, रामेश्वर गुप्ता, सविता कौशिक, श्रद्धा कौशिक, पल्लवी धवन सहित बड़ी संख्या में साधक उपस्थित रहे।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

प्रेमानंद जी महाराज के 31 मई से एकांतवास का कारण

वृंदावन के प्रसिद्ध संत श्री हित प्रेमानंद गोविंद शरण जी महाराज अपने सरल उपदेशों, भक्ति मार्ग और राधा-कृष्ण प्रेम के संदेश के लिए देश-विदेश में जाने जाते हैं। हाल ही में यह जानकारी सामने आई कि वे 31 मई से एकांतवास में रहेंगे। इस समाचार से उनके लाखों भक्तों में जिज्ञासा और चिंता दोनों देखने को मिली।

एकांतवास भारतीय संत परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। संत समय-समय पर बाहरी गतिविधियों से दूर रहकर साधना, ध्यान, जप और आत्मचिंतन में लीन होते हैं। माना जा रहा है कि प्रेमानंद जी महाराज भी आध्यात्मिक साधना को और अधिक गहरा करने तथा स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए कुछ समय के लिए एकांतवास का मार्ग अपना रहे हैं। पिछले कुछ समय से उनके स्वास्थ्य को लेकर भी चचाएँ होती रही हैं, इसलिए विश्राम और साधना दोनों इस निर्णय के प्रमुख कारण माने जा रहे हैं। भक्तों का मानना है कि महाराज जी का यह निर्णय केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि आध्यात्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। एकांतवास के दौरान वे ईश्वर भक्ति और साधना में अधिक समय व्यतीत करेंगे। उनके अनुयायी प्रार्थना कर रहे हैं कि वे स्वस्थ रहें और एकांतवास पूर्ण होने के बाद पुनः अपने सत्संगों और दर्शन के माध्यम से भक्तों का मार्गदर्शन करें।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

क्या Wife अपने मायके में रहते हुए भी Maintenance मांग सकती है?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

वैवाहिक विवादों में कई बार पत्नी अपने मायके में रहने लगती है। ऐसे में अक्सर यह सवाल उठता है कि क्या वह वहां रहते हुए भी maintenance मांग सकती है। कानून का मुख्य आधार यह है कि पत्नी अलग क्यों रह रही है। यदि उसके पास अलग रहने का उचित कारण (reasonable cause) है—जैसे cruelty, domestic violence, harassment, या वैवाहिक विवाद—तो वह अपने मायके में रहते हुए भी maintenance की मांग कर सकती है।

सिर्फ इस आधार पर कि पत्नी अपने माता-पिता के घर रह रही है, उसका maintenance का अधिकार समाप्त नहीं हो जाता। अदालत यह देखती है कि क्या पत्नी स्वयं अपना खर्च उठाने में सक्षम है, पति की आय क्या है, और अलग रहने की परिस्थितियां क्या हैं।

हालांकि, यदि यह साबित हो जाए कि पत्नी बिना किसी उचित कारण के अलग रह रही है, तो इसका प्रभाव maintenance claim पर पड़ सकता है। यह भी महत्वपूर्ण है कि maintenance का उद्देश्य व्यक्ति को आर्थिक सहारा देना है, न कि किसी को दंडित करना। कई लोग यह मान लेते हैं कि मायके में रहने का मतलब है कि अब पति की कोई जिम्मेदारी नहीं रही, जबकि कानून हर मामले को उसकी परिस्थितियों के आधार पर देखता है।

निष्कर्ष : पत्नी उचित कारण होने पर मायके में रहते हुए भी maintenance मांग सकती है। अदालत हमेशा परिस्थितियों, आर्थिक स्थिति और वैवाहिक व्यवहार को ध्यान में रखकर निर्णय लेती है।

महिला सशक्तिकरण और समावेशी विकास राष्ट्र निर्माण का आधार : असीम कुमार घोष

चंडीगढ़/यूटर्न/31 मई। हरियाणा लोक भवन में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के फैशन टेक्स टेक फोरम और फेममॉमप्रेन्योर्स राइजिंग स्टार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मॉमप्रेन्योर्स-मातृ शक्ति सम्मान-2026 समारोह में देशभर की 42 विशिष्ट महिला अचीवर्स को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उद्यमिता, कला, मीडिया, खेल, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मान मिला। समारोह को संबोधित करते हुए हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण राष्ट्र के समावेशी विकास और प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है। वहीं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा

कि महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक मजबूती सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। कार्यक्रम में पद्मश्री निर्मल ऋषि, पद्मश्री मालिनी अवस्थी, अर्जुन पुरस्कार विजेता गीता फोगट, पद्मश्री शोवना नारायण, वरिष्ठ पत्रकार रुबिका लियाकत तथा राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा सहित कई प्रतिष्ठित हस्तियों को सम्मानित किया गया। पीएचडीसीसीआई की रीजनल फैशन टेक्स टेक फोरम की चेयरपर्सन हिमानी अरोड़ा ने कहा कि मातृत्व और पेशेवर जीवन के बीच संतुलन बनाकर सफलता हासिल करने वाली महिलाएं समाज के लिए प्रेरणा हैं। इस अवसर पर पीएचडीसीसीआई पंजाब चैप्टर के चेयरमैन करण गिलहोत्रा और डिप्टी सेक्रेटरी जनरल नवीन सेठ ने भी सम्मानित महिलाओं को बधाई देते हुए उनके योगदान की सराहना की।

Uturn Time 01 June 2026_Layout 2 01-06-2026 00:06 Page 7

नहरी जल आपूर्ति परियोजना के तहत एचआईवी जांच और जागरूकता शिविर आयोजित

लुधियाना/यूटर्न/31 मई। विश्व बैंक और एआईआईबी (AIIB) की सहायता से चल रही नहरी जल आपूर्ति परियोजना के तहत विभिन्न निर्माण स्थलों पर श्रमिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एचआईवी जांच एवं जागरूकता शिविर आयोजित किए गए।

इन शिविरों का उद्देश्य श्रमिकों में एचआईवी के प्रति जागरूकता बढ़ाना, स्वैच्छिक जांच को प्रोत्साहित करना और स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करना है।

मेयर प्रिंसिपल इंद्रजीत कौर और नगर निगम आयुक्त डॉ. नीरू कत्याल गुप्ता के नेतृत्व में परियोजना को अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण एवं सामाजिक मानकों के अनुरूप लागू किया जा रहा है। निर्माण कार्यों के साथ-साथ श्रमिकों के स्वास्थ्य और सामुदायिक कल्याण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

त्रिकोना पार्क ओएचएसआर साइट, वीर पैलेस के सामने पार्क, केसरी एन्क्लेव ओएचएसआर साइट सहित विभिन्न निर्माण स्थलों पर आयोजित शिविरों में 100 से अधिक श्रमिकों की एचआईवी जांच की जा चुकी है। राहत की बात यह रही कि अब तक किसी भी श्रमिक में संक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आया है। निगरानी अभियंता (परियोजना) पारुल गोयल ने बताया कि सभी निर्माण स्थलों को चरणबद्ध तरीके से कवर किया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक श्रमिकों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच सकें।

परियोजना कार्यान्वयन इकाई की पर्यावरण एवं सामाजिक टीम इन गतिविधियों की नियमित निगरानी कर रही है। यह पहल विकास कार्यों के साथ स्वास्थ्य, सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति परियोजना की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

भाजपा कार्यकर्ताओं के सम्मान में पहुंचे इंकबाल सिंह लालपुरा

लुधियाना/यूटर्न/31 मई। स्थानीय हैबोवाल स्थित भाजपा नेता गौरव अरोड़ा के निवास पर निकाय चुनावों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं के सम्मान में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं भाजपा के राष्ट्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य इंकबाल सिंह लालपुरा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

इस अवसर पर पंजाब भाजपा के प्रवक्ता गुरदीप सिंह गोशा, समरता कौर, कीमती रावल, आशीष भारती, चरणजीत सिंह चीमा, रूबल सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए लालपुरा ने कहा कि निकाय चुनावों के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने विपरीत परिस्थितियों में भी पूरी मेहनत और समर्पण के साथ काम किया। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत के कारण भाजपा ने प्रदेश में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को और मजबूत करने तथा जनता के बीच पार्टी की नीतियों को पहुंचाने का आह्वान किया। लालपुरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पंजाब के किसानों, युवाओं और राज्य के विकास को लेकर गंभीर हैं। उन्होंने लोगों से भाजपा के प्रति सकारात्मक सोच अपनाने तथा पंजाब की तरक्की और समृद्धि के लिए मिलकर कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि भाजपा सिख गुरुओं की शिक्षाओं और 'सरबत के भले' की भावना को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

निकाय चुनाव में परिवारवाद की झलक, एक ही घर के कई सदस्य बने पार्षद

चंडीगढ़/यूटर्न/31 मई। पंजाब निकाय चुनाव के नतीजों में जहां विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रदर्शन की चर्चा है, वहीं कई परिवारों की राजनीतिक पकड़ भी चर्चा का विषय बनी हुई है। चुनाव परिणामों में ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं, जहां एक ही परिवार के दो या तीन सदस्य पार्षद बनने में सफल रहे।

फरीदकोट नगर परिषद चुनाव में शिरोमणि अकाली दल की उम्मीदवार मुस्कान ग्रोवर ने वार्ड नंबर 19 से जीत दर्ज की, जबकि उनकी चाची सास उमा ग्रोवर ने वार्ड नंबर 21 से विजय हासिल की। सास-बहू की इस जोड़ी ने चुनाव प्रचार भी आपसी तालमेल के साथ किया और दोनों अपने-अपने वार्डों से जीतने में सफल रहीं।

इसी तरह फरीदकोट में ही एक परिवार के तीन सदस्य पार्षद चुने गए हैं। आम आदमी पार्टी के नेता स्वतंत्र जोशी ने वार्ड नंबर 10 से जीत हासिल की। उनकी भाभी विजयप्रीत जोशी ने वार्ड नंबर 11 से चुनाव जीता, जबकि उनके बेटे एरन जोशी ने वार्ड नंबर 16 से जीत दर्ज की। एक ही परिवार के तीन सदस्यों की जीत ने स्थानीय राजनीति में उनकी मजबूत पकड़ को साबित किया है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इन चुनावों ने एक बार फिर दिखाया है कि स्थानीय निकायों में परिवारों का प्रभाव अब भी मजबूत बना हुआ है और मतदाताओं ने कई स्थानों पर पारिवारिक राजनीतिक विरासत पर भरोसा जताया है।

तीन ACL सर्जरी के बावजूद सिद्धार्थ उनियाल ने 5 दिन में फतह कीं चार हिमालयी चोटियां

चंडीगढ़/यूटर्न/31 मई। अदम्य साहस और मजबूत इच्छाशक्ति का परिचय देते हुए 'बैडक्नीजगुरु' के नाम से प्रसिद्ध सिद्धार्थ उनियाल ने मात्र 5 दिन 5 घंटे में 6,000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली चार हिमालयी चोटियों को सफलतापूर्वक फतह कर एक दुर्लभ रिकॉर्ड कायम किया है। 'प्रोजेक्ट बैडक्नीज' नामक इस अभियान को ट्रेकनोमैड्स और ग्रैनिमल्स के सहयोग से पूरा किया गया। सिद्धार्थ ने 11 से 16 मई 2026 के बीच निरेखा पीक (6,159 मीटर), लोबुचे पीक (6,119 मीटर), आइलैंड पीक (6,189 मीटर) और मेरा पीक (6,476 मीटर) पर सफल चढ़ाई की। पहली से अंतिम चोटी तक का पूरा अभियान केवल 5 दिन और 5 घंटे में पूरा हुआ। इस दौरान उन्हें बर्फीले तूफान, तेज हवाओं, अत्यधिक ठंड और खराब मौसम जैसी कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

इस उपलब्धि को और भी खास बनाती है उनकी शारीरिक स्थिति। सिद्धार्थ तीन ACL सर्जरी, गंभीर मेनिस्कस और कार्टिलेज क्षति से गुजर चुके हैं तथा उनके बाएं घुटने में ACL भी नहीं है। अभियान शुरू होने से केवल 15 दिन पहले उनका घुटना फिर से मुड़ गया था, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। सिद्धार्थ ने कहा कि अधिकांश लोग चोटों से नहीं, बल्कि उनसे जुड़े डर से सीमित हो जाते हैं। उनका यह अभियान उन लोगों को प्रेरित करने के लिए है जो चोट, आत्म-संदेह या चुनौतियों से जूझ रहे हैं। उनकी यह उपलब्धि एडवेंचर स्पोर्ट्स और फिटनेस जगत में चर्चा का विषय बनी हुई है।

81.89 लाख की साइबर ठगी मामले दो आरोपी पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार

चंडीगढ़/यूटर्न/31 मई। चंडीगढ़ साइबर क्राइम थाना ने सिम स्वैपिंग और बैंक खाते से 81.89 लाख रुपये की साइबर ठगी के मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो आरोपियों को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यह कार्रवाई एसपी साइबर गीतांजली खंडेलवाल के निदेर्शों, डीएसपी साइबर क्राइम के मार्गदर्शन तथा थाना साइबर क्राइम, सेक्टर-17 के एसएचओ की निगरानी में की गई। इस संबंध में थाना साइबर क्राइम, चंडीगढ़ में एफआईआर नंबर 53, दिनांक 7 अप्रैल 2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के मसलानपुर निवासी 22 वर्षीय राजदीप घोष तथा नोपारा निवासी 26 वर्षीय तनय दास के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार यह मामला सेक्टर-17 स्थित अल्फा फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड के एक कर्मचारी की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने बताया कि कंपनी के बैंक खाते से जुड़ा पंजीकृत मोबाइल नंबर अचानक बंद हो गया। जांच के दौरान पता चला कि उक्त नंबर को धोखाधड़ी से सिम स्वैप कर लिया गया था। इसके बाद बैंक खाते से जुड़े प्राथमिक और वैकल्पिक दोनों मोबाइल नंबरों से छेड़छाड़ कर साइबर अपराधियों ने खाते तक अनधिकृत पहुंच हासिल कर ली और 81.89 लाख रुपये की ठगी को अंजाम दिया।

Uturn Time 01 June 2026_Layout 2 01-06-2026 00:06 Page 8

वार्ड-9 के गांव दरिया में जल्द पहुंचेगा कैनाल वाटर, पेयजल समस्या से मिलेगी राहत : अनिल दुबे

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/31 मई। वार्ड-9 के अंतर्गत आने वाले गांव दरिया के निवासियों के लिए राहत भरी खबर है। लंबे समय से स्वच्छ पेयजल की समस्या से जूझ रहे क्षेत्र में जल्द ही कैनाल वाटर (नहरी पानी) की आपूर्ति शुरू होने की उम्मीद है। पूर्व डिप्टी मेयर एवं भाजपा नेता अनिल दुबे ने कहा कि प्रशासनिक स्तर पर आवश्यक प्रक्रियाएं अंतिम चरण में हैं और जल्द ही गांव के घरों तक नहरी पानी पहुंचाने की दिशा में काम शुरू किया जाएगा।

अनिल दुबे ने बताया कि गांव दरिया में पेयजल की समस्या लंबे समय से लोगों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। बढ़ती आबादी और सीमित जल संसाधनों के कारण कई बार लोगों को पानी की कमी का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा भूजल की गुणवत्ता को लेकर भी समय-समय पर शिकायतें सामने आती रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लगातार प्रशासन और संबंधित विभागों के समक्ष उठाया गया, जिसके परिणामस्वरूप अब इस दिशा में सकारात्मक प्रगति देखने को मिल रही है।

उन्होंने कहा कि कैनाल वाटर परियोजना गांव दरिया के लिए एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी। इससे लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध होगा तथा भूजल पर निर्भरता भी कम होगी। साथ ही जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था अधिक सुदृढ़ हो सकेगी।

'नशामुक्त भविष्य का निर्माण' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित

युद्ध नशे के विरुद्धर अभियान को जन आंदोलन बनाएं : राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/31 मई। जाट सभा चंडीगढ़ एवं पंचकूला के सौजन्य से सेक्टर-27 स्थित जाट भवन में ₹नशामुक्त भविष्य का निर्माण₹ विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा के पूर्व डीजीपी एवं जाट सभा चंडीगढ़-पंचकूला के अध्यक्ष डॉ. एम.एस. मलिक ने की।

सेमिनार में पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि नशे की समस्या का समाधान केवल पुलिस कार्रवाई और कानून के माध्यम से संभव नहीं है। इसे समाप्त करने के लिए समाज के हर वर्ग, विशेषकर महिलाओं, युवाओं, स्वयंसेवी संस्थाओं और धार्मिक नेताओं को एकजुट होकर इसे जन आंदोलन का रूप देना होगा। राज्यपाल ने कहा कि नशे की चपेट में आ चुके लोगों को केवल सजा देना समाधान नहीं है। उन्हें सम्मानपूर्वक समाज की मुख्यधारा में वापस लाना, उनका उपचार कराना और रोजगार उपलब्ध कराना भी इस लड़ाई का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने राज्य के नागरिकों, शिक्षण संस्थानों और सामाजिक संगठनों से युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान का हिस्सा बनने की अपील करते हुए पंजाब को नशामुक्त, सुरक्षित और समृद्ध राज्य बनाने में सहयोग देने का आह्वान किया।

ऑनलाइन गेमिंग ऐप से दोस्ती, फिर ब्लैकमेल और बंधक बनाने का आरोप

लुधियाना/यूटर्न/31 मई। ऑनलाइन गेमिंग ऐप के जरिए हुई दोस्ती एक युवती के लिए परेशानी का कारण बन गई। आरोप है कि युवक ने पहले दोस्ती का भरोसा जीतकर युवती की निजी तस्वीरें हासिल कीं और बाद में उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। मामला तब और गंभीर हो गया जब आरोपी ने युवती को मिलने के बहाने बुलाकर कथित तौर पर कार में बंधक बना लिया, छेड़छाड़ और मारपीट की तथा उसका मोबाइल फोन और सोने का ब्रेसलेट छीनकर फरार हो गया।

थाना हैबोवाल की एसएचओ कुलवंत कौर ने बताया कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर जालंधर के गांव गिल खांबड़ा निवासी तरन कुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

शिकायत में युवती ने बताया कि उसकी पहचान आरोपी से एक ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म पर हुई थी। बातचीत बढ़ने के बाद दोनों के बीच दोस्ती हो गई। इसी दौरान आरोपी ने विश्वास का फायदा उठाकर उसकी निजी तस्वीरें अपने मोबाइल में सेव कर लीं और सोशल मीडिया अकाउंट से भी तस्वीरें डाउनलोड कर लीं।

पुलिस के अनुसार युवती ने आरोप लगाया है कि आरोपी ने तस्वीरों को संपादित कर उन्हें वायरल करने की धमकी दी और बाद में मिलने के लिए बुलाकर कथित रूप से जबरदस्ती की। पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी के खिलाफ लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

उच्च शिक्षा विभाग में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के शोषण का मामला पीएमओ और गृह मंत्रालय तक पहुंचा

चंडीगढ़/यूटर्न/31 मई। उच्च शिक्षा विभाग चंडीगढ़ के सरकारी कॉलेजों में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की कथित बर्खास्तगी, वेतन रोकने और श्रम कानूनों के उल्लंघन का मामला अब प्रधानमंत्री कार्यालय और केंद्रीय गृह मंत्रालय तक पहुंच गया है। सामाजिक संगठन 'मौलिक अधिकारों के प्रति आवाज' के संयोजक विक्रम सिंह ने इस संबंध में शिकायत भेजकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले सरकारी कॉलेजों में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को हर वर्ष गर्मी की छुट्टियों के दौरान मौखिक रूप से कार्यमुक्त कर दिया जाता है, जबकि विभाग द्वारा जारी कार्य आदेश और ऋ्रट पोर्टल के माध्यम से जारी निविदाएं पूरे 12 माह के लिए वैध रहती हैं। संगठन का कहना है कि कर्मचारियों को हटाने संबंधी कोई लिखित आदेश उपलब्ध नहीं कराया जाता।

विक्रम सिंह ने आरोप लगाया कि कई कॉलेजों में 'पिक एंड चूज' नीति अपनाई जा रही है, जिसके तहत कुछ पसंदीदा कर्मचारियों को बनाए रखा जाता है, जबकि अन्य कर्मचारियों को कार्य से अलग कर दिया जाता है। उन्होंने इसे संविधान के अनुच्छेद-14 के तहत समानता के अधिकार का उल्लंघन बताया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि छुट्टियों के दौरान कर्मचारियों को आवश्यकता पड़ने पर कॉलेज के कार्य के लिए बुलाया जाता है, लेकिन उन्हें वेतन नहीं दिया जाता। काम करने से इनकार करने पर नौकरी से निकालने या अन्य कर्मचारियों से बदलने की धमकी दिए जाने के आरोप भी लगाए गए हैं।

संगठन के अनुसार मई से जुलाई के दौरान बच्चों के दाखिले और शिक्षा संबंधी खर्च बढ़ जाते हैं। ऐसे समय में वेतन बंद होने से कर्मचारियों और उनके परिवारों को गंभीर आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई मामलों में कर्मचारियों को महीनों तक वेतन नहीं मिलने की शिकायत भी सामने आई है। मौलिक अधिकारों के प्रति आवाज ने प्रधानमंत्री कार्यालय, गृह मंत्रालय, श्रम मंत्रालय तथा चंडीगढ़ प्रशासन से मांग की है कि उच्च शिक्षा विभाग के सभी कॉलेजों में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को वर्षभर रोजगार और नियमित वेतन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही गर्मी की छुट्टियों के नाम पर कर्मचारियों को कार्यमुक्त करने की वर्षों पुरानी प्रथा को तत्काल समाप्त करने के निर्देश जारी किए जाएं। संगठन ने मांग की है कि उच्च शिक्षा निदेशक द्वारा जारी 12 माह के कार्य आदेश का सभी कॉलेजों में सख्ती से पालन कराया जाए तथा कर्मचारियों की सेवा निरंतरता सुनिश्चित कर उनके भविष्य और परिवारों के हितों की रक्षा की जाए।

पंजाब के बरनाला जिले के गंडा सिंह वाला गांव में जन्मे सिख युवक गुरिकप्रीत सिंह ने अमेरिका में रचा इतिहास, मिली एक लाख डॉलर की स्कॉलरशिप

नवीन गोगना

न्यू जर्सी/यूटर्न/31 मई। पंजाब के बरनाला जिले के एक छोटे से गांव गंदा सिंह वाला का युवक गुरिकप्रीत सिंह अमेरिका के न्यू जर्सी के बर्लिंगटन में रहता है। जो शैक्षणिक, सामाजिक और धार्मिक मंचों पर यहां के सिख समुदाय का नाम रोशन कर रहे हैं। गुरिकप्रीत सिंह (गंडा सिंह वाला) ने महज 20 साल की उम्र में वो मुकाम हासिल किया है, जो अमेरिका के हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा बन गया है। अमेरिका में स्कूली पाठ्यक्रम में सिख धर्म को शामिल करने के लिए न्यू जर्सी सीनेट में ऐतिहासिक प्रस्ताव एसआर-108 का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले युवा गुरिकप्रीत सिंह को अब अमेरिका के पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रतिष्ठित प्रोवोस्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। और प्रशंसा पत्र में, एसोसिएट डायरेक्टर क्रिस्टन कैर ने कहा कि पुरस्कार उन छात्रों को सम्मानित करता है जो असाधारण शैक्षणिक प्रदर्शन और अपने शैक्षिक लक्ष्यों के प्रति समर्पण प्रदर्शित करते हैं, और यह पुरस्कार सर्वश्रेष्ठ जी.पी.ए. वाले भारतीय युवा गुरिकप्रीत सिंह को दिया गया।

Uturn Time 01 June 2026_Layout 2 01-06-2026 00:06 Page 9

जीरकपुर नगर परिषद में आम आदमी पार्टी का परचम, 31 में से 16 वार्ड जीतकर हासिल किया बहुमत

लोगों ने विकास, पारदर्शिता और ईमानदार राजनीति पर लगाई मुहर : कुलजीत सिंह रंधावा

जीरकपुर/यूटर्न/31 मई। नगर परिषद जीरकपुर चुनावों में आम आदमी पार्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 31 में से 16 वार्डों में जीत दर्ज कर स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही जीरकपुर नगर परिषद में आम आदमी पार्टी का अध्यक्ष बनना लगभग तय हो गया है। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद पूरे क्षेत्र में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई तथा विभिन्न स्थानों पर जश्न मनाया गया। इस अवसर पर डेराबस्सी के विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने अपने निवास स्थान पर विजयी उम्मीदवारों, पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ जीत की खुशियां साझा करते हुए कहा कि यह जीत केवल आम आदमी पार्टी की नहीं, बल्कि जीरकपुर के लोगों की जीत है। यह जीत जनता के अटूट विश्वास, पार्टी कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत और भगवंत मान सरकार की जनहितैषी नीतियों पर लगी मुहर है।

स्पेशल खिलाड़ी संकल्प के बल पर समाज के लिए बन रहे प्रेरणा स्रोत-परमजीत सचदेवा

स्पेशल ओलंपिक्स राष्ट्रीय चैंपियनशिप में बढिया प्रदर्शन करने वाले खिलाडिय़ों को किया सममानित

दलजीत अज्नोहा

होशियारपुर/यूटर्न/31 मई। जे.एस.एस. आशा किरण स्पेशल स्कूल जहानखेला में पंजाब सरकार द्वारा स्पेशल ओलंपिक्स भारत राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाडिय़ों को नकद पुरस्कार प्रदान कर सममानित किया गया। इन खिलाडिय़ों ने राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेकर शानदार प्रदर्शन किया तथा अपने विद्यालय, जिले और पंजाब राज्य का नाम रोशन किया।

पंजाब को देश का शिक्षा केंद्र बनाएंगे, बच्चों को विदेश जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी : मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

चंडीगढ़/यूटर्न/31 मई। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य पंजाब को देश का अग्रणी शिक्षा केंद्र बनाना है, ताकि बेहतर शिक्षा के लिए विद्यार्थियों को कनाडा, ऑस्ट्रेलिया या अन्य देशों की ओर रुख न करना पड़े।

चंडीगढ़ के टैगोर थिएटर में आयोजित 'सितारे जमीन पर' कार्यक्रम के दौरान आठवीं, दसवीं और बारहवीं कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार वर्षों में शिक्षा क्षेत्र में किए गए सुधारों के सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं में बेटियों ने शानदार प्रदर्शन किया है और अधिकांश टॉपर छात्राएं रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) मेन में सरकारी स्कूलों के ३५९ विद्यार्थियों की सफलता राज्य की शिक्षा व्यवस्था में आए बदलाव का प्रमाण है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि सरकार ने स्कूलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है, शिक्षकों को आधुनिक प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजा है तथा रट्टा लगाने की संस्कृति की बजाय ज्ञान, समझ और तार्किक सोच पर आधारित शिक्षा को बढ़ावा दिया है। उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और अपने माता-पिता तथा शिक्षकों का सम्मान करने की सीख देते हुए कहा कि सरकार उनके सपनों को साकार करने के लिए हर संभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

जगरांव में 'मिशन डिफेंस कैंप' का भव्य आगाज, पहले ही दिन 240 बेटियों ने सीखीं आत्मरक्षा

-चरणजीत सिंह चन्न

जगरांव/यूटर्न/31/मई। बेटियों को आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से लाला लाजपत राय चैरिटेबल वेलफेयर सोसाइटी (रजि.) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय ₹मिशन डिफेंस कैंप₹ की शुरूआत रविवार को 'सत्यम ज्वैलर्स वालों का बाग' में बेहद उत्साह के साथ हुई। कैंप के पहले ही दिन क्षेत्र की लगभग 240 लड़कियों ने हिस्सा लेकर अपने साहस का परिचय दिया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि इंस्पेक्टर किरनजीत कौर ने किया। उन्होंने बेटियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि आज के दौर में हर बेटी का शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होना बेहद जरूरी है।

इंटरनेशनल कोच द्वारा ट्रेनिंग: इंटरनेशनल एक्सपर्ट सुरेंद्रपाल हैप्पी विज अपनी टीम के साथ बच्चियों को बिल्कुल मुफ्त मार्शल आर्ट और सेल्फ डिफेंस के बेहतरीन गुर सिखा रहे हैं।

सहयोगी संस्थाएं: इस मुहिम में 'कर भला हो भला' संस्था द्वारा बच्चियों को पौष्टिक रिफ्रेशमेंट दिया गया, वहीं 'श्री अग्रसेन समिति' (अग्रवाल समाज) भी विशेष सहयोगी के रूप में योगदान दे रही है।

अभिभावकों के लिए संदेश: यह कैंप 1 जून और 2 जून (सोमवार व मंगलवार) को भी सुबह 6:30 से 8:00 बजे तक जारी रहेगा। अपने बच्चों को स्पोर्ट्स शूज और पानी की बोतल के साथ इस कैंप में जरूर भेजें।

टीबीआरएल रेंज में हाई पावर विस्फोटों का परीक्षण, प्रशासन ने जारी किया अलर्ट

पंचकूला/यूटर्न/31 मई। रामगढ़ स्थित टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी (टीबीआरएल) की टेस्ट रेंज में रविवार को उच्च क्षमता वाले विस्फोटकों का परीक्षण किया गया। परीक्षण के मद्देनजर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए तथा आसपास के क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती गई। प्रशासन की ओर से भानु और बिल्ला गांव के निवासियों को सुबह 10:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक घरों के भीतर रहने की सलाह दी गई थी। निर्धारित समय के दौरान परीक्षण प्रक्रिया शुरू हुई, जिसमें क्रमिक रूप से कई शक्तिशाली धमाके किए गए। विस्फोटों की आवाज आसपास के क्षेत्रों में भी सुनाई दी। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस और प्रशासन की टीमें सुबह से ही क्षेत्र में तैनात रहीं। टीबीआरएल रेंज के आसपास के संवेदनशील इलाकों में लोगों की आवाजाही सीमित की गई और बाजार क्षेत्र में भी एहतियाती कदम उठाए गए।

Uturn Time 01 June 2026_Layout 2 01-06-2026 00:06 Page 10

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न की आखिरी तारीखें घोषित, जानें आपके लिए कौन सा फॉर्म और डेडलाइन है जरूरी

करन चावला

लुधियाना/यूटर्न/31 मई। आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2025-26 (असेसमेंट ईयर 2026-27) के लिए इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) फाइल करने की आखिरी तारीखों (Due Dates) की सूची जारी कर दी है। टैक्सपेयर्स के लिए यह बेहद जरूरी है कि वे अपनी आय के स्रोत और टैक्सपेयर कैटेगरी के हिसाब से सही ITR फॉर्म का चुनाव करें और समय सीमा के भीतर अपना रिटर्न दाखिल करें, ताकि भारी जुमार्ने और कानूनी दिक्कतों से बचा जा सके। यहाँ अलग-अलग टैक्सपेयर्स और क्लफफॉर्म के अनुसार महत्वपूर्ण तारीखों का पूरा विवरण दिया गया है:

1. नौकरीपेशा और व्यक्तिगत निवेशकों के लिए (ITR-1 और ITR-2)

आखिरी तारीख: 31 जुलाई 2026

किसे फाइल करना है: ऐसे व्यक्ति या हिंदू अविभाजित परिवार (HUF) जिनका कोई बिजनेस या प्रोफेशन नहीं है। इसमें सैलरी (Salary), हाउस प्रॉपर्टी, कैपिटल गेन्स और अन्य स्रोतों (Other Sources) से आय प्राप्त करने वाले मध्यम वर्ग के टैक्सपेयर्स और निवेशक शामिल हैं।

2. बिना ऑडिट वाले बिजनेस और प्रोफेशनल्स (ITR-3 और ITR-4)

आखिरी तारीख: 31 अगस्त 2026

किसे फाइल करना है: ऐसे व्यक्ति या HUF जिनका बिजनेस या प्रोफेशनल इनकम है और जिन्हें अकाउंट्स का ऑडिट (Non-Audit Cases) कराने की आवश्यकता नहीं है। इसमें फ्रीलांसर, छोटे व्यवसायी और प्रिजम्प्टिव टैक्सेशन (Presumptive Income) चुनने वाले लोग शामिल हैं।

3. कंपनियों के लिए (ITR-6)

आखिरी तारीख: 31 अक्टूबर 2026 किसे फाइल करना है: सभी प्रकार की कॉर्पोरेट कंपनियाँ, जिनकी आय व्यावसायिक या कॉर्पोरेट स्रोतों से होती है।

4. ऑडिट के दायरे में आने वाले टैक्सपेयर्स (ITR-3 और ITR-5)

आखिरी तारीख: 31 अक्टूबर 2026

किसे फाइल करना है: ऐसी पार्टनरशिप फर्म, LLPs और व्यक्ति जिनके बिजनेस या प्रोफेशन के लिए इनकम टैक्स नियमों के तहत ऑडिट (Audit) कराना अनिवार्य है।

5. ट्रस्ट और राजनीतिक दल (ITR-7)

आखिरी तारीख: 31 अक्टूबर 2026

किसे फाइल करना है: चैरिटेबल या धार्मिक संस्थाएं, ट्रस्ट, एनजीओ (NGOs) और राजनीतिक दल जो सेक्शन 11 के तहत आते हैं।

6. ट्रांसफर प्राइसिंग के मामले (ITR-3, ITR-5 और ITR-6)

आखिरी तारीख: 30 नवंबर 2026

किसे फाइल करना है: ऐसी संस्थाएं या कंपनियाँ जो अंतर्राष्ट्रीय ट्रांजेक्शन (International Transactions) या विशिष्ट घरेलू ट्रांजेक्शन करती हैं और जिन पर ट्रांसफर प्राइसिंग (TP) के नियम लागू होते हैं।

डेडलाइन मिस होने पर क्या होगा? (महत्वपूर्ण नियम और पेनल्टी) अगर आप तय समय सीमा के भीतर अपना ITR फाइल नहीं कर पाते हैं, तो आपको निम्नलिखित नियमों का सामना करना पड़ेगा:

बिलेटेड या रिवाइज्ड रिटर्न (Belated / Revised Return): यदि मूल डेडलाइन छूट जाती है, तो आप 31 दिसंबर 2026 तक अपना देरी से रिटर्न (Belated) या गलती सुधारने के लिए संशोधित रिटर्न (Revised) फाइल कर सकते हैं। लेट फीस (Late Fees u/s 234F): तय तारीख के बाद ITR फाइल करने पर 5,000 तक की लेट फीस देनी पड़ सकती है। ब्याज (Interest u/s 234A/B/C): बकाया टैक्स राशि पर नियमानुसार ब्याज लागू होगा।

नुकसान को आगे न ले जाना (Loss Carry Forward): अगर रिटर्न देर से दाखिल किया जाता है, तो आपको चालू वर्ष के बिजनेस या कैपिटल लॉस (नुकसान) को भविष्य के सालों में कैरी फॉरवर्ड (Carry Forward) करने की अनुमति नहीं मिलेगी।

इन विशेष बातों का भी रखें ध्यान: AL शेड्यूल (Assets and Liabilities): यदि आपकी सालाना आय 1 करोड़ से अधिक है, तो आपके लिए संपत्ति और देनदारियों (Assets and Liabilities) का विवरण देना अनिवार्य है।

विदेशी संपत्ति/आय (Foreign Assets / Income): यदि आपकी कोई विदेशी संपत्ति या विदेशी आय है, तो ITR में उसका खुलासा करना पूरी तरह से अनिवार्य है।

निष्कर्ष: टैक्स एक्सपर्ट् करन चावला का मानना है कि आखिरी दिनों की तकनीकी दिक्कतों और भारी जुमार्ने से बचने के लिए टैक्सपेयर्स को समय रहते अपने दस्तावेज जैसे फॉर्म 16 और AIS/TIS दुरुस्त कर लेने चाहिए। समझदारी इसी में है कि समय पर अपना ITR फाइल करें और तनावमुक्त रहें।

भारतीय चुनाव आयोग द्वारा पंजाब राज्य के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन कार्यक्रम में आंशिक संशोधन : सीईओ अनिंदिता मित्रा

चंडीगढ़/यूटर्न/31 मई। भारतीय चुनाव आयोग द्वारा पंजाब राज्य में मतदाता सूचियों के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एस.आई.आर.) संबंधी पहले घोषित कार्यक्रम में आंशिक संशोधन किया गया है। इस संबंध में आज चुनाव आयोग द्वारा नया पत्र जारी किया गया है। इस बारे में जानकारी देते हुए पंजाब की मुख्य चुनाव अधिकारी श्रीमती अनिंदिता मित्रा ने बताया कि अब पंजाब राज्य की मतदाता सूचियों का प्रारूप 03 अगस्त 2026 को प्रकाशित किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि मतदाता सूचियों संबंधी दावे और आपत्तियां प्रस्तुत करने की अवधि 03 अगस्त 2026 से 02 सितंबर 2026 तक निर्धारित की गई है। इसके अतिरिक्त, नोटिस चरण तथा दावों/आपत्तियों के निपटारे की प्रक्रिया 03 अगस्त 2026 से 28 सितंबर 2026 तक चलेगी। मुख्य चुनाव अधिकारी ने स्पष्ट किया कि शेष समस्त समय-सारिणी 14 मई 2026 को जारी पूर्व अधिसूचना के अनुसार ही लागू रहेगी।

हल्लोमाजरा में नई डिस्पेंसरी निर्माण को मंजूरी, क्षेत्रवासियों ने जताया आभार

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/31 मई। हल्लोमाजरा वार्ड नंबर-20 में पुरानी डिस्पेंसरी के स्थान पर नई आधुनिक डिस्पेंसरी के निर्माण को मंजूरी मिलने पर क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। स्थानीय युवाओं, सामाजिक कार्यकताओं और गणमान्य नागरिकों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए प्रशासन और संबंधित अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। क्षेत्र में आयोजित एक बैठक के दौरान लोगों ने कहा कि नई डिस्पेंसरी बनने से हल्लोमाजरा तथा आसपास के क्षेत्रों के हजारों निवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही मरीजों को उपचार के लिए दूर-दराज के अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों का रुख नहीं करना पड़ेगा, जिससे उन्हें काफी राहत मिलेगी। भाजपा नेता गणेश झा ने कहा कि क्षेत्र के लोग लंबे समय से आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग कर रहे थे। नई डिस्पेंसरी

वार्ड नंबर 27 के वार्डवासियों ने सामूहिक रूप से सुना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' का 134वां संस्करण

चंडीगढ़/यूटर्न/31 मई। वार्ड नंबर 27 के सम्मानित निवासियों के साथ सेक्टर-40 स्थित कम्युनिटी सेंटर में जिला अध्यक्ष रेखा सूद की अध्यक्षता में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक कार्यक्रम मन की बातर के 134वें संस्करण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नागरिकों ने प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी विचारों को ध्यानपूर्वक सुना और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर भाजपा चंडीगढ़ प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा, मन की बात कार्यक्रम के प्रदेश इंचार्ज रामवीर भट्टी, प्रदेश मीडिया प्रभारी रवि रावत, जिला उपाध्यक्ष राजेश डोगरा, मंडल अध्यक्ष अमित नागर, मंडल महामंत्री रवि गुप्ता, पवन देव कश्यप, मंडल के अन्य पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने, वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया।

बाढ़ और आपदा प्रबंधन के लिए पंजाब सरकार ने जारी किए 146 करोड़ रुपये

चंडीगढ़/यूटर्न/31 मई। आगामी मानसून सीजन को देखते हुए पंजाब सरकार ने बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए राज्य के सभी जिलों को अग्रिम रूप से 146

करोड़ रुपये जारी किए हैं। यह जानकारी पंजाब के राजस्व, पुनर्वास एवं आपदा प्रबंधन मंत्री हरदीप सिंह मुंडियाँ ने दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार प्रदेशवासियों के जान-माल की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इसी उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान संभावित प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सभी जिलों को 100 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं, ताकि जिला प्रशासन किसी भी आपात स्थिति में तुरंत और प्रभावी कार्रवाई कर सके। इसके अलावा बाढ़-रोधी तैयारियों को मजबूत बनाने के लिए 46 करोड़ रुपये अतिरिक्त जारी किए गए हैं। इस राशि का उपयोग नावों, बाढ़-रोधी सामग्री और अन्य आवश्यक उपकरणों की खरीद के लिए किया जाएगा। सरकार ने प्रत्येक जिले को 2 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए हैं ताकि आपदा की स्थिति में राहत और बचाव कार्यों में कोई देरी न हो। मंत्री मुंडियाँ ने कहा कि सभी जिलों की तैयारियों की लगातार समीक्षा की जा रही है और अधिकारियों को मानसून शुरू होने से पहले जरूरी प्रबंध पूरे करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि समय पर जारी धनराशि से आपदा प्रबंधन व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।

Uturn Time 01 June 2026_Layout 2 01-06-2026 00:06 Page 11

मोदी सरकार के 12 साल बनाम 'आप' के दावे: जगराओं में भाजपा की हुंकार, विकास के नाम पर पंजाब सरकार को घेरा

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/31/मई। भाजपा जिला जगरांव की एक बेहद अहम और रणनीतिक बैठक आज पार्टी कार्यालय में जिला अध्यक्ष डॉ. राजिंदर शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में मुख्य रूप से पहुंचे भाजपा पंजाब के प्रदेश प्रवक्ता चरणजीत सिंह बराड़ ने आगामी दिनों में होने वाले पार्टी के बड़े कार्यक्रमों की रूपरेखा साझा की और पंजाब की मौजूदा आम आदमी पार्टी (AAP) सरकार पर तीखा हमला बोला।

काम केंद्र का, नाम पंजाब सरकार का

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश प्रवक्ता चरणजीत सिंह बराड़ ने कहा कि पंजाब सरकार आज जिन विकास कार्यों के बड़े-बड़े दावे कर रही है, हकीकत में उन सभी पर पैसा केंद्र की मोदी सरकार का खर्च हो रहा है।

'आम आदमी पार्टी की इस हकीकत को पंजाब के लोगों के सामने बेनकाब किया जाएगा। पिछले 12 वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में पंजाब को जो रिकॉर्डतोड़ और मोटी ग्रांटें मिली हैं, उनकी पूरी जानकारी जनता तक पहुंचाने के लिए पार्टी ने विशेष कार्यक्रम तैयार किए हैं।'

- बराड़।

पर्यावरण सुधार और सेहत के लिए विशेष मुहिम:

भाजपा आगामी दिनों में सामाजिक सरोकारों से जुड़े दो बड़े अभियान शुरू करने जा रही है: 'एक पेड़ मां के नाम' मुहिम: पर्यावरण की शुद्धता के लिए इस अभियान के तहत हर एक भाजपा कार्यकर्ता एक पौधा लगाएगा और सिर्फ पौधा लगाएगा ही नहीं, बल्कि उसके बड़े होने तक उसके पालन-पोषण की पूरी जिम्मेदारी भी उठाएगा। आम जनता को भी इस मुहिम से जोड़ा जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (5 से 23 जून): लोगों की अच्छी सेहत और तंदुरुस्ती के लिए 5 जून से 23 जून तक विशेष योग कैंप लगाए जाएंगे, जहाँ लोगों को निरोग रहने के लिए योग आसन सिखाए जाएंगे।

जनाधार बढ़ रहा है, नगर परिषद चुनाव के योद्धाओं का सम्मान

इस मौके पर जिला अध्यक्ष डॉ. राजिंदर शर्मा ने नगर परिषद चुनाव में जगरांव से जीत दर्ज करने वाले चार भाजपा उम्मीदवारों को बधाई दी। इसके साथ ही, उन्होंने उन प्रत्याशियों का भी विशेष सम्मान किया जो बहुत ही कम वोटों के अंतर से हारे, लेकिन मैदान में डटे रहकर पार्टी का झंडा बुलंद रखा। डॉ. शर्मा ने कहा कि पंजाब में भाजपा का ग्राफ दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है और लोगों का रुझान अब साफ तौर पर भाजपा की तरफ हो चुका है।

बैठक में मौजूद: इस महत्वपूर्ण बैठक में चरणजीत सिंह बराड़ और डॉ. राजिंदर शर्मा के अलावा मेजर सिंह देतवाल, मनप्रीत सिंह तलवंडी, लखविंदर सिंह सपरा, गुरसिमरन सिंह गिल, एडवोकेट विवेक भारद्वाज, सतीश कुमार पप्पू, कृष्ण कुमार, राजपाल जैन, राज वर्मा, टोनी वर्मा, जगदेव सिंह देओल, कुलवंत सिंह भट्टी, गौरव गुप्ता, सौरव गर्ग, दर्शन सिंह गिल, कपिल प्रजापति, शम्मी मेहता, पुलकित लूम्बा, रवि कुमार, राजन अरोड़ा रवि, प्रदीप खन्ना, प्रदीप शर्मा, सुरेश गर्ग, राजवीर सिंह विरदी, जसवीर सिंह जसोवाल, गुरप्रीत सिंह, बलजिंदर सिंह, भरत कुमार, सुखविंदर सिंह और धर्मेंद्र कुमार सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आप सरकार के फैसले से सामाजिक न्याय और रोजगार सुरक्षा मजबूत हुई - डॉ. रवजोत सिंह

दलजीत अज्नोहा

होशियारपुर/यूटर्न/31 मई। पंजाब सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने पंजाब कैबिनेट के ऐतिहासिक फैसलों का स्वागत किया है और कहा है कि मुखयमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि आप सरकार आम लोगों, कर्मचारियों और मजदूर वर्ग की भलाई के लिए पूरी तरह समर्पित है। उन्होंने कहा कि दशकों पुराने कॉन्ट्रैक्ट सिस्टम को खत्म करने और 65 हजार से ज्यादा कर्मचारियों को रेगुलर करने का रास्ता साफ करने का फैसला पंजाब के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा।

डॉ. रवजोत सिंह ने कहा कि पिछली सरकारों ने हमेशा कर्मचारियों को कॉन्ट्रैक्ट सिस्टम में फसाए रखा, जिसके कारण हजारों कर्मचारी सालों तक सेवाएं देने के बावजूद नौकरी की सुरक्षा और हक से वंचित रहे,

लेकिन भगवंत मान सरकार ने यह ऐतिहासिक कदम उठाकर सरकार और कर्मचारियों के बीच सीधा रिश्ता बनाने का फैसला किया है, जिससे बिचौलियों और कॉन्ट्रैक्टरों की भूमिका पूरी तरह खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि पंजाब स्टेट आउटसोर्स्ड पर्सनेल बिल 2026 और पंजाब कॉन्ट्रैक्ट पर्सनेल बिल 2026 के जरिए आउटसोर्स कर्मचारियों को पहले सीधे सरकारी कॉन्ट्रैक्ट के तहत लाया जाएगा और उसके बाद उनकी काबिलियत के हिसाब से रेगुलर नौकरी के मौके दिए जाएंगे। इस फैसले से न सिर्फ कर्मचारियों का जीवन स्तर सुधरेगा बल्कि सरकारी सिस्टम में ट्रांसपेरेंसी और अकाउंटेबिलिटी भी मजबूत होगी। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इस पॉलिसी का फायदा बिजली, शिक्षा, हेल्थ, लोकल गवर्नमेंट, ट्रांसपोर्ट, वाटर सप्लाई, एग्रीकल्चर, जेल डिपार्टमेंट और कई दूसरी सरकारी संस्थाओं में काम करने वाले 65,048 कर्मचारियों को मिलेगा। डॉ. रवजोत सिंह ने कहा कि नई पॉलिसी के तहत कर्मचारियों की सैलरी सीधे उनके बैंक अकाउंट में जमा होगी और किसी भी एजेंसी या कॉन्ट्रैक्टर द्वारा कोई कमीशन या कटौती नहीं की जाएगी। इसके अलावा, कर्मचारियों को कानूनी मैटरनिटी बेनिफिट्स, सालाना कैजुअल लीव और दूसरी जरूरी सुविधाएं भी दी जाएंगी।

स्पर्धा इंस्टीट्यूट ने मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित, क्विज प्रतियोगिता में भी दिखा प्रतिभा का दम

जीरकपुर/यूटर्न/31 मई। स्पर्धा इंस्टीट्यूट की ओर से सीबीएसई कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए विशेष पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों को सराहना देना और उन्हें भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना था। समारोह में तनव, हुनर जिंदल, अहान, जैस्मिन और अस्मी को सम्मानित किया गया। इन सभी विद्यार्थियों ने सीबीएसई कक्षा 10वीं परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल कर संस्थान और अपने अभिभावकों का नाम रोशन किया। कार्यक्रम के दौरान दो विद्यार्थियों की विशेष उपलब्धि चर्चा का केंद्र रही। हुनर जिंदल ने गणित विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त किए, जबकि तनव ने विज्ञान विषय में शत-प्रतिशत अंक हासिल कर शानदार प्रदर्शन किया। उनकी इस उपलब्धि की संस्थान प्रबंधन, शिक्षकों और अन्य विद्यार्थियों ने जमकर सराहना की। पुरस्कार वितरण समारोह के साथ-साथ संस्थान में एक क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने ज्ञान, तार्किक क्षमता और प्रतिस्पर्धात्मक कौशल का प्रदर्शन किया। इस आयोजन ने विद्यार्थियों को सीखने और बौद्धिक विकास का बेहतर मंच प्रदान किया। स्पर्धा इंस्टीट्यूट के प्रबंधन ने सभी सम्मानित विद्यार्थियों और प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को बधाई दी। प्रबंधन ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारना और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है।

Pragya Jaiswal

पिंक बिकिनी में प्रज्ञा का ग्लैमरस जलवा, फैंस बोले- 'सर्दी में भी लगी आग'

बर्फीली वादियों के बीच गुलाबी बिकिनी में नजर आई **Pragya Jaiswal** की नई तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। तस्वीर में प्रज्ञा का ग्लैमरस अंदाज और कॉन्फिडेंट स्माइल फैंस का दिल जीत रही है। ठंडे मौसम में उनके इस बोल्ड लुक ने इंटरनेट पर चचाओं का बाजार गर्म कर दिया है। फैंस कमेंट सेक्शन में उनकी फिटनेस और स्टाइल की जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक बार फिर प्रज्ञा ने साबित कर दिया कि फैशन और एलीगेंस के मामले में उनका जवाब नहीं।

Uturn Time 01 June 2026_Layout 2 01-06-2026 00:06 Page 12

चंडीगढ़ के गांवों की समस्याओं को लेकर भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासक गुलाब चंद कटारिया को सौंपा ज्ञापन

पेयजल, सीएलयू, पार्क, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और कम्युनिटी सेंटर सहित कई मांगें उठाईं

अजीत झा
चंडीगढ़/यूटर्न/31 मई। भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ के पूर्व अध्यक्ष संजय टंडन और भाजपा प्रदेश महामंत्री रामवीर भट्टी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात कर चंडीगढ़ के विभिन्न गांवों से जुड़ी समस्याओं और मांगों को उनके समक्ष रखा। मुलाकात के दौरान गांवों की कृषि योग्य भूमि से संबंधित चेंज ऑफ लैंड यूज (सीएलयू) के मुद्दों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल ने गांवों में पेयजल समस्या के स्थायी समाधान, रेड लाइन से बाहर बने मकानों को पानी के कनेक्शन उपलब्ध करवाने तथा चंडीगढ़ के सभी गांवों को नहरी पानी की सुविधा से जोड़ने की मांग उठाई। इस दौरान गांव दरिया की विभिन्न समस्याओं को भी प्रमुखता से प्रशासक के समक्ष रखा गया।

नौगजा पीर (नवाज घाट) में 31वां सालाना उर्स मुबारक पूरी अकीदत और धूमधाम के साथ मनाया जाएगा

नामी सूफी गायक व कव्वाल के सूफियाना कलाम रहेंगे आकर्षण का केन्द्र

चंडीगढ़ /यूटर्न/31 मई। नौगजा पीर (नवाज घाट) सिसवां में 31वां सालाना उर्स मुबारक आगामी 04 जून 2026 वीरवार को पूरी अकीदत और धूमधाम के साथ मनाया जाएगा।

इस आयोजन में भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं, और मजार पर चादर चढ़ा अपने परिवार और समस्त मानव कल्याण की दुआ मांगते है। सूफियाना कलाम व कव्वाली की महफिलें सजती हैं, जिसमे दिग्गज व नामी सूफी कव्वाल अपनी कव्वालियों से समारोह में समां बांध देते है। यह जानकारी पीर जी गद्दीनशीन सईयद मौलाना मुनतजीम अली शाह ने दी। उर्स मुबारक हर साल यहां पर बनाया जाता है इसको बनाने का मकसद सिर्फ यह है कि हम सूफी संत गुरु जिन्होंने हमें यह समझा है कि इंसानियत धर्म सबसे ऊपर है यही यहां पर देखने को मिलता है सबसे बड़ी बात है।

सिख हीरो अवार्ड-2026 वन-बीट मेडिकल ग्रुप के चेयरमैन और प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता बहादुर सिंह ने सम्मानित किया

नवीन गोगना
वाशिंगटन/यूटर्न/31 मई। कल सिख हीरो-2026 कार्यक्रम अमेरिका के मैरीलैंड राज्य के क्लार्क्सविले में अमेरिका के सिखों द्वारा सिख हीरो-2026 वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया, जिसमें पंजाबी और सिख समुदाय के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हो गया। सिख हीरो अवार्ड का उद्देश्य न केवल विशेष व्यक्तियों को सम्मानित करना है, बल्कि लोगों की सेवाओं को मान्यता देना भी है। अमेरिका के ओरेगॉन राज्य के सेलम में अमेरिका के सिखों द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में समाज में मानवता और समुदाय के लिए बहुत महत्वपूर्ण योगदान देने वालों में प्रमुख व्यवसायी, प्रसिद्ध सिख उद्यमी, सामाजिक कार्यकर्ता श्री बहादुर सिंह, अध्यक्ष वन-बीट मेडिकल ग्रुप, जिन्होंने तीन यू. वन-बीट का नाम दिया। पी.सी. में निःशुल्क अस्पताल जिसमें जनता के लिए उपचार दवाइयाँ, खाना-पीना निःशुल्क है। इनमें वन-बीट नामक चौथा नेत्र अस्पताल पंजाब के श्री चमकोर साहिब में एक निःशुल्क नेत्र अस्पताल है, जहाँ रोगियों के लिए निःशुल्क उपचार, दवा, आवास और भोजन उपलब्ध कराया जाता है। उनके संस्थापक और अध्यक्ष बहादुर सिंह को विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जहां उनके नेतृत्व, पेशेवर सफलता और आगे बढ़ते रहने के जुनून ने हजारों अन्य सिख उद्यमियों को प्रेरित किया, जिन्हें विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया।

चंडीगढ़ की शराब हरियाणा-दिल्ली में खपाने की साजिश नाकाम, 100 पेटी शराब समेत चालक गिरफ्तार

जीरकपुर/यूटर्न/31 मई। अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जीरकपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 100 पेटी शराब से भरी एक पिकअप गाड़ी को जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बरामद शराब केवल चंडीगढ़ में बिक्री के लिए अनुमत थी, लेकिन इसे अवैध रूप से हरियाणा और दिल्ली में खपाने के लिए ले जाया जा रहा था। थाना जीरकपुर की पुलिस टीम एसआई जीवन सिंह के नेतृत्व में देर रात मैकडी चौक के पास नाकाबंदी और गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि दिल्ली नंबर की एक महिंद्रा पिकअप में भारी मात्रा में अवैध शराब ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने चौकसी बढ़ाई और संदिग्ध वाहन की तलाश शुरू कर दी।

कुछ समय बाद बताए गए नंबर की पिकअप मौके पर पहुंची, जिसे रोककर जांच की गई। तलाशी के दौरान वाहन से 100 पेटी शराब बरामद हुई। इनमें 80 पेटी देसी शराब ह्यसंतराह्न ब्रांड और 20 पेटी ह्यब्लू स्ट्रोकह्न ब्रांड की शराब शामिल थी। जांच में पाया गया कि शराब पर केवल चंडीगढ़ में बिक्री के लिए अनुमत होने का उल्लेख था। पुलिस ने चालक से शराब के परिवहन संबंधी दस्तावेज, परमिट और लाइसेंस मांगे, लेकिन वह कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। पूछताछ में आरोपी की पहचान पंकज के रूप में हुई। उसने बताया कि वह शराब की खेप दिल्ली लेकर जा रहा था, हालांकि वह यह नहीं बता सका कि यह खेप किसके कहने पर और किसे पहुंचाई जानी थी। पुलिस ने आरोपी को मौके पर गिरफ्तार कर लिया तथा शराब और पिकअप वाहन को कब्जे में ले लिया। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

तस्करी नेटवर्क की तलाश में जुटी पुलिस

पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले की गहन जांच की जा रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि शराब की खेप कहां से लाई गई थी, इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं और इसे किन क्षेत्रों में सप्लाई किया जाना था। पूछताछ के आधार पर तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि जिले में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372